वर्ष-11 अंक-24 पृष्ठ-8 मूल्यः 3 रुपये

प्रयागराज, शुक्रवार 28 मार्च 2025

TM

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रसारित

आधुनिक समाचार नेटर्वक

Download From

Adhunik Samachar

11 YEARS ANNIVERSARY

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली हाईकोर्ट को केंद्र का जवाब, कहा- गृह मंत्रालय के समक्ष विचाराधीन है मामला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने दिल्ली हाईकोर्ट को बताया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारतीय नागरिकता का मुद्दा गृह मंत्रालय के समक्ष विचाराधीन है। केंद्र सरकार के वकील की दलीलों पर गौर करते हुए हाईकोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 28 मई तय की है। केंद्र सरकार ने बुधवार को दिल्ली उच्च न्यायालय को बताया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारतीय नागरिकता का मामला गृह मंत्रालय के समक्ष विचाराधीन है। मुख्य न्यायाधीश डी. के. उपाध्याय की पीठ ने केंद्र सरकार के वकील की दलीलें सुनने के बाद मामले की अगली सुनवाई 28 मई को निर्धारित की है। भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने गृह मंत्रालय को राहुल गांधी की नागरिकता पर फैसला लेने के निर्देश देने की मांग की थी।चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय व जस्टिस तुषार राव गेडेला की पीठ के समक्ष अतिरिक्त महाधिवक्ता चेतन शर्मा ने कहा, मामला विचाराधीन है। उन्होंने यह भी बताया कि इलाहाबाद हाईकोर्ट भी इसी तरह के एक मामले से जुड़ा है और उसने हाल ही में मंत्रालय को कार्यवाही के परिणाम से अवगत कराने के लिए चार हफ्ते का समय दिया है। स्वामी ने अदालत से राहुल गांधी को गृह मंत्रालय के पत्र का जवाब देने का निर्देश देने का अनुरोध किया था। जिस पर न्यायालय ने स्पष्ट किया कि वह मंत्रालय की कार्यवाही को नियंत्रित नहीं कर सकता। पीठ ने कहा, कार्यवाही मंत्रालय के समक्ष है। उसे ही निर्णय लेना है। हम मंत्रालय की कार्रवाइयों को नियंत्रित नहीं कर सकते और मंत्रालय के समक्ष कार्यवाही में शामिल किसी भी व्यक्ति को कोई निर्देश नहीं दे सकते। 19 फरवरी को दिल्ली उच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार से राहुल गांधी की नागरिकता पर लिए गए निर्णय की स्थिति स्पष्ट करने के लिए कहा था।स्वामी की ओर से अधिवक्ता सत्य सभरवाल द्वारा 6 अगस्त, 2019 को गृह मंत्रालय को भेजे गए एक पत्र में यह दावा किया गया था कि राहुल गांधी ने ब्रिटिश सरकार को अपनी ब्रिटिश राष्ट्रीयता की जानकारी स्वेच्छा से दी थी। स्वामी ने आरोप लगाया कि यह भारतीय नागरिकता अधिनियम और संविधान के अनुच्छेद 9 का उल्लंघन है। जिसके तहत राहुल गांधी की भारतीय नागरिकता अमान्य हो सकती है।

15 करोड़ के ड्रग्स, 1.13 करोड़ की हेरोइन के साथ चार गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। मिजोरम में असम राइफल्स को बड़ी सफलता मिली है। जानकारी के मुताबिक, एक्साइज और नारकोटिक्स विभाग के साथ मिलकर असम राइफल्स भारी मात्रा में मेथामफेटामाइन

टैबलेट्स और हेरोइन की एक बड़ी खेप जब्त की है। इस दौरान चार लोगों को भी गिरफ्तार किया गया है। असम राइफल्स ने चंफाई जिले में एक्साइज और नारकोटिक्स विभाग के साथ मिलकर 50,000 मेथामफेटामाइन टैबलेट्स और हेरोइन की एक बड़ी खेप (151.7ग्राम) के साथ चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पकड़ी गई टेबलेट की कीम 15 करोड़ रुपए, जबकि हेरोइन की अनुमानित कीमत 1.13 करोड़ रुपए बताई गई है। असम राइफल्स के प्रवक्ता ने बताया कि मिजोरम नशे की तस्करी के खिलाफ अपनी कोशिशों में असम राइफल्स को एक महत्वपूर्ण सफलता मिली है। असम राइफल्स ने एक्साइज और नारकोटिक्स विभाग के साथ मिलकर लॉन्गतलाई जिले के बुआलपुई क्षेत्र में एक संयुक्त ऑपरेशन में 50,000 मेथामफेटामाइन टैबलेट्स के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। टैबलेट की 15 करोड़ रुपए बताई गई है। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान म्यांमार के हखा जिले के निवासी के रूप में हुई है। असम राइफल्स के प्रवक्ता ने आइजोल में बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर मिजोरम के चंफाई जिले के जनरल एरिया क्रॉसिंग प्वाइंट वन (वावत्ते काई), झोकावटार में एक मोबाइल वाहन चेक पोस्ट स्थापित किया गया। ऑपरेशन के दौरान एक कार को जांच के लिए रोका गया। गहन जांच के दौरान, तकिये के कवर के अंदर छिपाकर रखे गए 151.7 ग्राम हेरोइन नंबर 4 के बारह पैकेट बरामद किए, जिसकी कीमत 1.13 करोड़ रुपए है, के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया।

'देश को गुमराह कर रहे राहुल, संसदीय प्रणाली में रुचि नहीं', बिरला की फटकार के बाद जगदंबिका पाल का हमला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बीते दिन लोकसभा की कार्यवाही के दौरान उस वक्त सभी चौंक गए, जब ओम बिरला ने राहुल गांधी को सख्त लहजे में हिदायत दे दी थी। उन्होंने राहुल

से सदन के नियमों का पालन करने को कहा। हालांकि, राहुल ने कहा था कि उन्होंने कुछ भी नहीं किया है और उन्हें तो बोलने का मौका ही नहीं दिया जाता। इसे लेकर भाजपा सांसद ने उन पर पलटवार किया है। भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता के इस दावे की आलोचना की है कि उन्हें लोकसभा में बोलने का मौका नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता देश को गुमराह कर रहे हैं और संसदीय प्रणाली में उनकी कोई रुचि नहीं है। भाजपा सांसद ने कहा, 'राहुल गांधी देश को गुमराह कर रहे हैं। इस सदन में किसी को बोलने से कोई नहीं रोक सकता। वह खुद सदन में नहीं बैठते। वह किसी विधेयक और प्रस्ताव पर नहीं बोलते। संसदीय प्रणाली में उनकी कोई रुचि नहीं है। अगर कांग्रेस के सदस्य यहां बोल सकते हैं, तो वह क्यों नहीं बोल सकतेइससे पहले बुधवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि उन्हें सदन में बोलने नहीं दिया गया। राहुल गांधी ने संवाददाताओं से कहा था, 'मुझे नहीं पता कि क्या हो रहा है। मैंने उनसे कहा कि मुझे बोलने दिया जाए। सदन चलाने का यह कोई तरीका नहीं है। स्पीकर अभी चले गए और उन्होंने मुझे बोलने नहीं दिया। उन्होंने मेरे बारे में कुछ निराधार बातें कहीं। उन्होंने सदन को स्थगित कर दिया, इसकी कोई जरूरत नहीं थी। यह एक परंपरा है, विपक्ष के नेता को बोलने का समय दिया जाता है। जब भी मैं खड़ा होता हूं, मुझे बोलने से रोक दिया जाता है।' उन्होंने कहा था कि लोकतंत्र में सरकार और विपक्ष के लिए जगह होती है, लेकिन यहां विपक्ष के लिए कोई जगह नहीं है। राहुल गांधी ने कहा कि वह महाकुंभ मेले और बेरोजगारी पर बोलना चाहते थे, लेकिन उन्हें बोलने नहीं दिया गया। उन्होंने कहा था, 'प्रधानमंत्री ने महाकुंभ पर बात की और मैं भी कुंभ मेले पर बोलना चाहता था। मैं कहना चाहता था कि कुंभ मेला बहुत अच्छा था। मैं बेरोजगारी पर भी बोलना चाहता था, लेकिन मुझे बोलने नहीं दिया गया। मुझे नहीं पता कि स्पीकर का दृष्टिकोण और सोच क्या है, लेकिन सच्चाई यह है कि हमें बोलने नहीं दिया गया।' इससे पहले सदन में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने राहुल से कहा था, 'आपसे सदन की मर्यादा और शालीनता के उच्च मानदंडों को बनाए रखने की अपेक्षा की जाती है।

31 दिन बाद यूपी के इंजीनियर का मिला शव, परिजनों को सौंपा; अब भी छह कर्मचारी मलबे में फंसे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। इससे पहले 9 मार्च को सुरंग के अंदर फंसे मजदूरों में से एक गुरप्रीत सिंह का शव बरामद किया गया था। बीते दिनों तेलंगाना सरकार ने मृतकों के

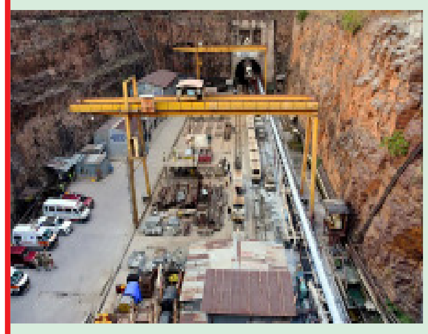

परिजनों को 25-25 लाख रुपये देने की घोषणा की थी। तेलंगाना में एसएलबीसी सुरंग हादसे में फंसे उत्तर प्रदेश के इंजीनियर मनोज कुमार का शव 31 दिन बाद रेस्क्यू टीम ने बरामद कर लिया। बुधवार को मनोज का शव उनके परिजनों को सौंप दिया गया। तलाशी अभियान में अब तक बरामद शवों की कुल संख्या दो हो गई है, जबकि छह कर्मचारी अभी भी मलबे में फंसे हुए हैं। सभी किस हालत में हैं, इसका कोई अता-पता नहीं है। रेस्क्यू टीम लगातार अभियान चलाकर फंसे लोगों को निकालने का प्रयास कर रही थी।बुधवार को मनोज का शव जैसे ही पैतृक गांव पहुंचा वृद्ध मां जमुना देवी, पत्नी स्वर्णलता, भाई अरविंद द्विवेदी, बेटा आदर्श, बेटी अनन्या समेत अन्य स्वजन बेहाल हो गए। गांव के लोग परिवार को सांत्वना देने के लिए पहुंच रहे हैं। बता दें कि तेलंगाना के नागर कुरनूल में 22 फरवरी को सुरंग धंसने से उन्नाव के बेहटामुजावर क्षेत्र के गांव मटुकरी निवासी इंजीनियर मनोज कुमार(50) समेत आठ लोग फंस गए थे। मनोज के अलावा फंसे हुए लोगों की पहचान मनोज कुमार (यूपी), श्री निवास (यूपी), सनी सिंह (जम्मू-कश्मीर), गुरप्रीत सिंह (पंजाब) और संदीप साहू, जेगता जेस, संतोष साहू और अनुज साहू के रूप में हुई है। ये सभी झारखंड के रहने वाले हैं।बता दें कि इससे पहले 9 मार्च को सुरंग के अंदर फंसे मजदूरों में से एक गुरप्रीत सिंह का शव बरामद किया गया था। बीते दिनों तेलंगाना सरकार ने मृतकों के परिजनों को 25-25 लाख रुपये देने की घोषणा की थी। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), सेना, नौसेना तथा अन्य एजेंसियों के विशेषज्ञ बचाव अभियान में लगातार प्रयासरत हैं। अधिकारियों ने बताया कि बचाव कार्य में सहायता के लिए मानव अवशेष खोजी कुत्तों (एचआरडीडी) को भी तैनात किया गया है।

समुद्र में श्रीलंकाई नौसेना बेलगाम, मछली पकड़ रहे 11 भारतीय मछुआरों को पकड़ा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारत और श्रीलंका के बीच मछुआरों की गिरफ्तारी का

मुद्दा काफी लंबे समय से गरम है। आए दिन मछली पकड़ने गए मछुआरों को श्रीलंकाइ नौसेना की ओर से गिरफ्तार कर लिया जाता है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन कई विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मामले की हल निकालने के लिए द्विपीय राष्ट्र पर दबाव बनाने की बात कर चुके हैं। एक बार फिर तमिलनाडु के मछुआरे श्रीलंकाई नौसेना के शिकंजे में फंस गए हैं। खबर है कि श्रीलंकाई नौसेना ने बंगाल की खाड़ी में मछली पकड़ रहे एक नाव में सवार तमिलनाडु के 11 मछुआरों को पकड़ लिया है। उन्हें जांच के लिए उन्हें कांगेसंथुरई नौसेना शिविर ले जाया गया है। रामेश्वरम मछुआरा संघ के मुताबिक, आए दिन ऐसी घटनाएं हो रही हैं। सरकार को इस बारे में गंभीरता से सोचना होगा। यह कार्रवाई ऐसे वक्त की गई है, जब अगले महीने ही भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी श्रीलंका के दौरे पर जाने वाले हैं। यह यात्रा ऐसे वक्त हो रही है, जब भारत और श्रीलंका के बीच मछुआरों की गिरफ्तारी का मुद्दा गरम है। इस कारण से दोनों देशों के बीच तनातनी चल रही है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन कई बार विदेश मत्री एस. जयशंकर को पत्र लिखकर मुद्दे के स्थायी हल निकालने के लिए काम करने को कह चुके हैं इससे पहले महीने की शुरुआत मे श्रीलंकाई नौसेना ने सीमा पार से मछली पकड़ने के आरोप में पंबन क्षेत्र से 14 मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया था। पिछले महीने की 23 की तारीख को भी श्रीलंकाई अधिकारियों ने द्वीप राष्ट्र के जलक्षेत्र में प्रवेश करने के आरोप में 32 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया था। उन्होंने मछली पकड़ने वाली उनकी पांच नौकाएं भी जब्त की थीं। इससे पहले श्रीलंकाई नौसेना ने दावा किया था कि उन्होंने 2024 में श्रीलंकाई जलक्षेत्र में मछली पकड़ने के लिए घुसे 550 से अधिक भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया है। इस साल अब तक करीब 150 से अधिक भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया जा चुका है। हेराथ ने कहा कि भारत के प्रति नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) सरकार की सद्भावना नीति के परिणामस्वरूप द्वीप राष्ट्र को कई लाभ हुए हैं, जिनमें कई चल रही भारतीय परियोजनाएं भी शामिल हैं। हेराथ ने कहा, 'हम अपनी विदेश नीति में किसी का पक्ष लिए बिना तटस्थ रहेंगे और राष्ट्रीय हित को बनाए रखने के लिए काम करेंगे।ठ 2015 के बाद से यह प्रधानमंत्री मोदी की द्वीप राष्ट्र की चौथी यात्रा होगी।' इससे पहले पीएम मोदी ने 2015, 2017 और 2019 में श्रीलंका का दौरा किया था।

सहमति का दावा करने के लिए यौन संबंध का आदी होने की बात पर सुप्रीम कोर्ट सख्त; की अहम टिप्पणी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। शीर्ष अदालत ने राजू उर्फ नृपेंद्र सिंह और दो अन्य की ओर से मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ दायर अपील को खारिज कर दिया। अपील में

17 वर्षीय किशोरी को उसके रोजगार के लिए विभिन्न स्थानों पर ले जाने के बाद उसके साथ बार-बार सामूहिक दुष्कर्म करने के लिए उन्हें दी गई 10 साल की सजा को बरकरार रखा गया था। सुप्रीम कोर्ट ने दुष्कर्म के मामलों में उस मेडिकल रिपोर्ट पर आपत्ति जताई है, जिसमें सहमति से संबंध के पक्ष में यौन संबंध के आदी होने की बात कही गई है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संजय करोल की पीठ ने इन शब्दों के इस्तेमाल पर आपत्ति जताते हुए कहा कि यह पुरानी धारणा के अलावा और कुछ नहीं है, जिसका उद्देश्य पीड़िता को नैतिक रूप से शर्मिंदा करना है।शीर्ष अदालत ने राजू उर्फ नृपेंद्र सिंह और दो अन्य की ओर से मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ दायर अपील को खारिज कर दिया। अपील में 17 वर्षीय किशोरी को उसके रोजगार के लिए विभिन्न स्थानों पर ले जाने के बाद उसके साथ बार-बार सामूहिक दुष्कर्म करने के लिए उन्हें दी गई 10 साल की सजा को बरकरार रखा गया था। पीठ ने कहा कि जब घटना के समय पीड़िता नाबालिग साबित हो जाती है तो सहमति का प्रश्न स्वयं अप्रासंगिक हो जाता है। अपीलकर्ताओं ने दावा किया था कि लड़की अपने अभिभावक को बताए बिना स्वेच्छा से उनके साथ घर से चली गई थी और वह दो महीने तक उनके साथ रही और उस दौरान वह सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करके सिद्धि, रीवा, इलाहाबाद और दिल्ली जैसी कई जगहों पर गई, जहां वह मदद के लिए कॉल या अलार्म बजा सकती थी। लेकिन उसने ऐसा नहीं किया, जिससे स्पष्ट है उसकी सहमति थी।

पीएम मोदी ने ग्रेगोरियस जोसेफ को कैथोलिकोस नियुक्त होने पर दी बधाई, नई शुरुआत की जताई उम्मीद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने गोरियस जोसेफ को कैथोलिकोस नियुक्त होने पर बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी के संदेश को इस खास अवसर पर पढ़ा गया और इसके साथ ही कैथोलिकोस ने भारत सरकार का

धन्यवाद किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को लेबनान में भारतीय दूतावास से 'एक्स' पर एक पोस्ट साझा किया, जिसमें पीएम मोदी ने मोर ग्रेगोरियस जोसेफ को भारत में जैकोबाइट सीरियाई ईसाइयों के नए कैथोलिकोस के रूप में नियुक्त होने पर बधाई दी। बता दें कि यह नियुक्ति बेरूत में हुई। इस मौके पर पूर्व केंद्रीय मंत्री के जे अल्फोंस की अगुआई में भारतीय प्रतिनिधिमंडल भी मौजूद था, जिसमें पूर्व विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन, लोकसभा सांसद बेनी बेहनन और अन्य प्रमुख सदस्य शामिल थे।प्रधानमंत्री मोदी के संदेश को इस खास अवसर पर पढ़ा गया और इसके साथ ही कैथोलिकोस ने भारत सरकार का धन्यवाद किया। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने भी ग्रेगोरियस जोसेफ को बधाई दी और उनके नेतृत्व में समुदाय के विकास और सद्भाव की कामना की।बता दें कि यह समारोह बेरूत के पैट्रिआर्कल कैथेड्रल में आयोजित हुआ, जहां मोर ग्रेगोरियस जोसेफ को 81वें कैथोलिकोस के रूप में अभिषेकित किया गया। उन्होंने दिवंगत बेसिलियस थॉमस का स्थान लिया, जिनका पिछले साल निधन हो गया था। समारोह में एंटिओक और पूरे पूर्व के पैट्रिआर्क इग्नाटियस एफ्रेम घ्घ् ने नेतृत्व किया। कैथोलिकोस, पैट्रिआर्क के बाद चर्च का दूसरा सबसे बड़ा अधिकारी होता है।प्रधानमंत्री मोदी की पोस्ट में कहा गया कि पैट्रिआक और कैथोलिकोस ने प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया और भारत सरकार के प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। इसके साथ ही केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने भी मोर ग्रेगोरियस जोसेफ को बधाई दी, जिन्हें अब 'बेसिलियस जोसेफ के नाम से जाना जाएगा।

ऑनलाइन सट्टेबाजी को लेकर दयानिधि मारन-अश्विनी वैष्णव में नोंक-झोंक; वैष्णव बोले- यह राज्य का विषय

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। ऑनलाइन गेमिंग साइट, जुए और सट्टेबाजी पर प्रतिबंध को लेकर केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव और द्रमुक सांसद दयानिधि मारन के बीच बुधवार को लोकसभा में जमकर नोकझोंक हुई। सट्टेबाजी और जुआ को राज्य का विषय बताते हुए वैष्णव ने द्रमुक सांसद पर पलटवार किया। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार ने कई कदम उठाए हैं, लेकिन सट्टेबाजी और जुए पर कानून बनाना राज्य का विषय है। प्रश्नकाल के दौरान द्रमुक सांसद मारन ने पूछा कि क्या केंद्र सरकार ऑनलाइन गेमिंग के खिलाफ कदम उठाने की अपनी नैतिक जिम्मेदारी से पीछे हट रही है। केंद्रीय आईटी मंत्रालय सभी ऑनलाइन साइटों पर प्रतिबंध लगाने में कितना समय लेगा। उन्होंने कहा, तमिलनाडु सरकार ने इस पर प्रतिबंध लगाया है। वैष्णव ने पलटवार करते हुए कहा कि मारन को केंद्र की नैतिक जिम्मेदारी पर प्रश्न उठाने का कोई हक नहीं है। देश संविधान में परिभाषित संघीय ढांचे के अनुसार चलता है। संविधान राज्यों को उनके विषयों से संबंधित

सूची-दो के अनुसार कानून बनाने का नैतिक और कानूनी अधिकार देता है। कृपया, संघीय ढांचे का अध्ययन करें। वैष्णने कहा, केंद्र सरकार अब तक 1,410 ऑनलाइन गेमिंग साइटों पर प्रतिबंध लगा चुकी है। सरकार ने बुधवार को राज्यसभा में बताया कि देश में नक्सली हिंसा में 81 फीसदी की कमी आई है। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि नक्सली हिंसा में आम नागरिकों और सुरक्षाबलों की मौतों में 85 प्रतिशत की कमी आई है। सरकार ने अगले साल मार्च तक देश से नक्सलवाद को समाप्त करने का लक्ष्य रखा है। गृह राज्यमंत्री ने कहा, नक्सली हिंसा की घटनाएं वर्ष 2010 में अपने उच्चतम स्तर 1,936 पर पहुंच गई थीं, जो 2024 में घटकर 374 रह गईं। यह 81 प्रतिशत की कमी है। वर्ष 2010 में देशभर में हुई नक्सली हिंसा में 1,005 नागरिक व सुरक्षाबल मारे गए। वर्ष 2024 में यह संख्या घटकर 15 रह गई। यानी, इसमें 85 प्रतिशत की कमी आई है। वर्ष 2023 में नक्सली हिंसा के 485 मामले दर्ज किए गए, जबकि वर्ष 2022 में 413, वर्ष 2021 में 361, वर्ष 2020 में 470 मामले दर्ज किए गए। मंत्री ने कहा कि पिछले छह वर्षों के दौरान वामपंथी उग्रवादियों की हिंसा की घटनाएं जो 2019 में 501 थीं, 2024 में घटकर 374 रह गई हैं, यानी 25 प्रतिशत की कमी आई है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, झारखंड में 2019 में नक्सली हिंसा के 166 मामले सामने आए और वर्ष 2024 में घटकर 69 रह गए। बिहार में भी इसी तरह की कमी दर्ज की गई, जहां नक्सली हिंसा के मामले 2019 में 48 से घटकर 2024 में सिर्फ 2 रह गए। कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी ने बुधवार को राज्यसभा में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के आवंटन में कम धन के प्रावधान का मुद्दा उठाया।

अमेरिका के साथ टैरिफ पर बन सकती है बात'; जयशंकर बोले- हार्ले डेविडसन-व्हिस्की पर कम हो सकता है कर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पारस्परिक टैरिफ की घोषणा के लागू होने से पहले भारत और अमेरिका में कर ढांचे पर बात बनने की उम्मीद बढ़ गई है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत और अमेरिका व्यापार पर बहुत ही सक्रिय और गहन चर्चा कर रहे हैं। भारत अमेरिकी बाइक हार्ले डेविडसन, बॉर्बन व्हिस्की और कैलिफोर्निया वाइन पर आयात शुल्क में कटौती कर सकता है। टैरिफ समेत अन्य व्यापार मुद्दों पर चर्चा करने के लिए अमेरिका के दक्षिण और मध्य एशिया के लिए सहायक व्यापार प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच मंगलवार से भारत की पांच दिवसीय यात्रा पर हैं। हालांकि, अभी यह पता नहीं चल सका है कि क्या उनके साथ अगले हफ्ते से लागू होने वाले पारस्परिक टैरिफ में भारत को किसी प्रकार की छूट देने पर चर्चा हुई है या नहीं। लेकिन थिंक टैंक एशिया सोसाइटी के क्यूंग-व्हा कांग के साथ बातचीत में जयशंकर ने व्यापार वार्ता के

जयशंकर ने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार के मुद्दे पर बहुत खुली चर्चा हुई और यह प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से इस वर्ष शरद ऋतु तक द्विपक्षीय व्यापार समझौता करने के निर्णय का परिणाम है। अग्रणी तत्काल परिणामों के बारे में पूर्वानुमान लगाने से इनकार कर दिया, लेकिन कहा कि दोनों देशों के बीच व्यावसायिक नजरिये से द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) की मजबूत संभावना है। उन्होंने कहा, मुझे पूरा भरोसा है कि वार्ताकार हमारे लिए सबसे बेहतर संभावित सौदे पर बातचीत करेंगे। चिंताओं को ध्यान में रखते हुए, मैं परिणाम के बारे में पहले से कोई अनुमान नहीं लगाऊंगा। व्यापार वार्ता के बीच भारत ने कुछ अमेरिकी सामान पर करों में कटौती की है। रिपोर्ट यह भी है कि सरकार अमेरिकी मोटरसाइकिल हार्ले-डेविडसन, बॉर्बन व्हिस्की और कैलिफोर्निया वाइन पर आयात शुल्क कम करने पर विचार कर रही है। सरकार ने पहले ही हार्ले डेविडसन बाइक पर आयात शुल्क 50 फीसदी से घटाकर 40 फीसदी कर दिया था। अब इसे और कम करने की चर्चा चल रही है। बॉर्बन व्हिस्की पर भी पहले 150 फीसदी आयात शुल्क था, जिसे घटाकर 100 फीसदी किया गया है।

बंगला बाज़ार चौकी से चंद कदमों पर होता है खुलेआम अवैध गांजे का कारोबार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
लखनऊ।आशियाना थाना के बांग्लाबाजार चौकी क्षेत्र में धड़ल्ले से चल रहा गांजे का कारोबार बंगला बाज़ार चौकी क्षेत्र के भदरूक की पार्क सुलभ शौचालय के बगल में खुले आम बिकता है अवैध गांजा।हाथ में मोटा सा डंडा लेकर दबंगई से बेचा जाता है गांजा शाम होते ही लग जाता है नशेड़ियों का झुण्ड आसपास के लोगों की काफी शिकायतें है कुछ लोगों ने बताया कि अभिषेक खटीक नमक युवक खुले आम अवैध गांजे का कारोबार करता है।चंद कदमों की दूरी पर है एसीपी ऑफिस है वहीं कुछ दूरी पर बंगला बाज़ार पुलिस चौकी है लेकिन पुलिस को कोई जानकारी नहीं है कि उनके चौकी क्षेत्र में बिकता है अवैध गांजा। ना ही बंगला बाज़ार चौकी की पुलिस करती है कोई गस्त।आशियाना प्रभारी निरीक्षक छात्र पाल सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि मेरे संज्ञान में नहीं है मै तुरन्त दिखवाता हूं कोई भी मौके पर मिला तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मा0 विधायक ऊंचाहार ने 112 दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग सहायक उपकरण किए वितरित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग सहायक उपकरण नोडल परियोजना निदेशक जिला ग्राम्य विकास अभिकरण सतीश चंद्र मिश्रा द्वारा सम्पन्न कराया गया। कार्यक्रम में जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी मोहन कार्मिक जावेद खान, अमित मालवीय, अरविन्द प्रताप संहि एवं नारायण दीक्षित उपस्थिति रहे। उपकरण प्राप्त लाभार्थियों को रामविलाश, जुम्मन, अंकित त्रिपाठी,

योजना अंतर्गत निःशुल्क सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम विकास खण्ड ऊँचाहार के परिसर में आयोजित किया गया। आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में मा0 विधायक, ऊँचाहार डॉ0 मनोज कुमार पांडेय द्वारा चिन्हित पात्र दिव्यांगजनों को कुल 112 उपकरण जिसमें ट्राई साइकिल, व्हीलचेयर, बैसाखी, स्मार्टकेन वितरित किये गये। कार्यक्रम के त्रिपाठी, उपायुक्त (स्वतः रोजगार), रायबरेली, खण्ड विकास अधिकारी, ऊँचाहार कामरान नेमानी, खण्ड विकास अधिकारी, दीनशाहगौरा, रोहनियां एवं अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा सरकार के द्वारा चलायी जा रही दिव्यांगजनों की योजनाओं पर प्रकाश डाला गया एवं दिव्यांगजनों को सरकार की समस्त योजनाओं से अवगत कराया गया। इस अवसर पर कार्यालय शैलेन्द्र कुमार आदि द्वारा प्राप्त उपकरण पर प्रसन्नता व्यक्त की गयी। उपकरण प्राप्त लाभार्थियों द्वारा दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग एवं जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी मोहन त्रिपाठी को विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया गया। उपकरण वितरण कार्यक्रम में 24 नवीन दिव्यांगजनों का भिन्न-भिन्न उपकरणों हेतु चिन्हांकन भी किया गया।

राधा रमण मिश्र पीजी कॉलेज तुलापुर सिकंदरा प्रयागराज शैक्षणिक भ्रमण - देवभूमि चित्रकूट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
चित्रकूट। डी.एल.एड. एवं बी0 एड0 प्रशिक्षुओं का एक छात्र समूह विभिन्न ऐतिहासिक स्थलों, शिक्षण संस्थानों एवं सामाजिक कल्याणकारी संगठनों का भ्रमण

समूह, विभागाध्यक्ष संजय सिंह एवं सहायक आचार्यगण अरुण त्रिपाठी चंदन सिंह दिलीप राव के मार्गदर्शन देवभूमि चित्रकूट के शैक्षणिक भ्रमण किया इस भ्रमण का उद्देश्य छात्रों को शैक्षिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक महत्व से अवगत कराना है। कॉलेज के प्रबंधक रविंद्र मिश्रा ने बताया कि चित्रकूट, जो कि आध्यात्मिकता एवं शिक्षा का केंद्र रहा है, विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने का अवसर मिला।छात्र करेगा, जिससे उन्हें पाठ्यक्रम से जुड़े व्यवहारिक पहलुओं की गहरी समझ विकसित करने में सहायता मिली। इस भ्रमण में विभागाध्यक्ष, सहायक आचार्यगण एवं अन्य मार्गदर्शक शिक्षकों का सान्निध्य प्राप्त हुआ छात्रों को मार्गदर्शन देंगे एवं उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। यह शैक्षणिक यात्रा प्रशिक्षुओं के समग्र विकास में सहायक होगी तथा उनके शिक्षण कौशल को परिष्कृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

कार्यक्रम में किसानों/ग्रामीणों को स्वामित्व प्रमाण पत्र किया गया वितरित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। उत्तर प्रदेश सरकार के सेवा सुरक्षा व सुशासन नीति के 8 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सदर तहसील में आयोजित त्रिदिवसीय विकास उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया, इस अवसर मंत्री अवध क्षेत्र भाजपा दिलीप यादव, मंजेश सिंह, वीरेन्द्र प्रताप सिंह उपस्थित रहे। उप जिलाधिकारी सदर प्रफुल्ल कुमार शर्मा व तहसीलदार प्रज्ञा द्विवेदी द्वारा अतिथियों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गयाअतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसके पश्चात ग्राम रूपामऊ देदानी के किसानों/ग्रामीणों को स्वामित्व प्रमाण पत्र (घरौनी) का वितरण किया गया, इसके साथ ही सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनों के लाभार्थियों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए।

कबड्डी बालक जूनियर वर्ग प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। खेल निदेशालय, उ0प्र0, लखनऊ द्वारा जिला खेल कार्यालय, रायबरेली के तत्वाधान में पं0 दीनदायाल उपाध्याय जम्मशताब्दी के अवसर पर 27 मार्च 2025 से कबड्डी बालक जूनियर वर्ग, जिला स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी। प्रतियोगिता में कुल 10 टीमों ने प्रतिभाग किया, रायबरेली 14-07 के अन्तर से विजयी रही, वही तीसरा मैच मोतीलाल लाल नेहरू स्टेडियमबी बनाम रसेता रायबरेली के मध्य खेला गया जिसमें मोतीलाल लाल नेहरू स्टेडियमबी 26-13 अंको से विजयी रही। चौथा मैच गौरा ब्लाक रायबरेली बनाम गंगागंज रायबरेली के बीच खेल गया जो कि गौरा ब्लाक रायबरेली 24-04 के अन्तर तथा मोतीलाल नेहरू स्टेडियम रायबरेली बी उपविजेता रही। उक्त प्रतियोगिता के निर्णायक हिमांशु तिवारी, पिन्कू कुमार, सुधा विश्वकर्मा, वी0एन0झा, अनमोल सिंह, पूजा आर्या, हिमाशु, मुस्कान, सुनील कुमार, कुलदीप कुमार आदि रहे। प्रतियोगिता के दौरान अत्याधिक गणमान्य लोग उपस्थित होकर मैच का आन्नद लिया। खेल

जिसमें मोतीलाल लाल नेहरू स्टेडियम बी, रसेता रायबरेली, गंगागंज रायबरेली, पूरेफजा भाँव रायबरेली, गौरा ब्लाक रायबरेली, बनापार रायबरेली, फीरोज गांधी डिग्री कालेज रायबरेली, न्यू स्टॅण्डर्स पर्बलक स्कूल रायबरेली, मोतीलाल नेहरू स्टेडियम ए टीम रायबरेली, सरेनी रायबरेली टीमों ने प्रतिभाग किया। विजेता उपविजेता एवं निर्णायको को पुरस्कार राशि आर0टी0जी0एस0/एन0ई0एफ0टी0 के माध्यम से दिया जायेगा। कबड्डी प्रतियोगिता जिसमें कुल 10 टीमों ने प्रतिभाग किया जिसमें कि कुल बालक 120 खिलाडियों प्रतिभाग किया जिसके परिणाम इस प्रकार रहा। प्रतियोगिता के पहले मैच में गंगागंज रायबरेली बनाम पूरेफजा भाँव रायबरेली के मध्य खेला गया जिसमें कि गंगागंज रायबरेली 23-05 विजयी रही। दूसरा मैच न्यू स्टैण्डर्स पर्बलक स्कूल रायबरेली बनाम फीरोज गांधी डिग्री कालेज रायबरेली के बीच खेला गया जो कि न्यू स्टैण्डर्स पर्बलक स्कूल से विजयी रही। पांचवा मैच बनापार रायबरेली बनाम न्यू स्टैण्डर्स रायबरेली के बीच खेल गया जिसमें न्यू स्टैण्डर्स रायबरेली वाकओवर के आधार पर विजयी रही। छठा मैच सरेनी रायबरेली बनाम मोतीलाल नेहरू स्टेडियम रायबरेली ऐ के मध्य खेला गया जिसमें कि मोतीलाल नेहरू स्टेडियम रायबरेली ऐ 25-08 के अन्तर से विजयी रही। प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मैच में पहला मैच मोतीलाल नेहरू स्टेडियम रायबरेली बी बनाम न्यू स्टैण्डर्स रायबरेली के मध्य हुआ जो कि मोतीलाल नेहरू स्टेडियम रायबरेली बी 18-16 अंकों से विजयी रही। दूसरा मैच गौर ब्लाक रायबरेली बनाम मोतीलाल नेहरू स्टेडियम रायबरेली, के मध्य खेला गया जिसमें कि मोतीलाल नेहरू स्टेडियम रायबरेली ए 22-06 अंको से विजयी रही। प्रतियोगिता के फाइनल मैच मोतीलाल नेहरू स्टेडियम रायबरेली ए बनाम मोतीलाल नेहरू स्टेडियम रायबरेली बी के मध्य खेला गया जिसमें मोतीलाल नेहरू स्टेडियम रायबरेली ए 25-10 से विजयी रही भावना की सरहाना की। प्रतियोगिता के मैच का उदघाटन बुद्धीलाल पासी जिला अध्यक्ष, भा0ज0पा0, रायबरेली के द्वारा किया गया। उपरोक्त प्रतियोगिता का सम्पूर्ण संचालन धीरेन्द्र कुमार पुरूषोत्तक, क्रीडाधिकारी, जिला खेल कार्यालय, रायबरेली के द्वारा किया गया। क्रीडाधिकारी द्वारा खिलाडियों को खेल के प्रति उत्साह बढाया एवं बढ़िया खेल प्रर्दशन करने हेतु प्रेरित किया। इस भव्य प्रतियोगिता को सफल बनाने हेतु बाबूलाल, मन्जू, नरेश कुमार निषाद, पिन्कु कुमार, अश्वनी चन्द्रा, शोएब खान कोच द्वारा सहयोग प्रदान किया गया साथ विभाग की ओर से दिये गये दिशा-निर्देशो तथा उच्चाधिकारियों के अनुपालन में प्रतियोगिता को सफलतापूर्वक सम्पन्न किया। प्रतियोगिता के अवसर पर वरिष्ठ खिलाडीगण उपस्थित रहे। प्रतियोगिता और अन्त में क्रीडाधिकारी रायबरेली ने प्रतियोगिता में में आये हुए समस्त खिलाडियों एवं आगन्तुको दर्शकों का आभार प्रकट किया।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
कौशलं बलम्
NAINI ALLAHABAD
NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
ALL TYPE PRINTING SOLUTION Enjoy Publicity

प्रदेश आस/पास

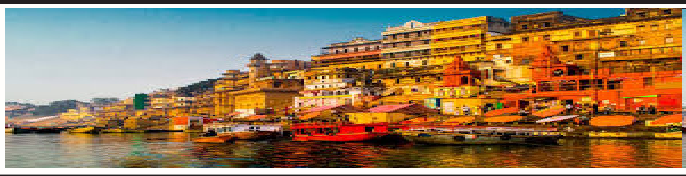

भारत

घर में फैला था खून ही खून, दिल दहलाने वाला था मंजर; इसलिए चार बच्चों का कत्ल कर बाप ने दी जान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
शाहजहांपुर। यूपी के शाहजहांपुर से रूह कंपाने वाली वारदात सामने आई है। रोजा थाना क्षेत्र में एक युवक ने अपने चार बच्चों की हत्या कर आत्महत्या कर ली। इस वारदात से इलाके में सनसनी फैल गई। ऐर्प्रिप्हिज्ले एल्मम् नैः उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले से दिल दहलाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक शख्स ने चार बच्चों की हत्या कर खुदकुशी कर ली। गुरुवार की सुबह घटना की जानकारी हुई। सूचना मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक टीम घटनास्थल पर पहुंची। मरने वाले बच्चों में 13, नौ और सात साल की लड़की, जबकि पांच साल का लड़का है। सनसनीखेज वारदात की सूचना जैसे ही लोगों को मिली, तो मौके पर की ओर दौड़ पड़े। घटनास्थाल के पास भारी संख्या में भीड़ लग गई। पुलिस में शवों को कब्ज में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही पुलिस ने पूछताछ भी शुरू कर दी है। शुरुआती पूछताछ में जघन्य हत्याकांड को अंजाम देने की वजह भी सामने आई है। जानकारी के अनुसार, शाहजहांपुर में युवक ने धारदार हथियार से अपने चार बच्चों का गला रेत दिया। इसके बाद फंदे से लटककर

खुदकुशी कर ली। रोजा थाना क्षेत्र के मानपुर चचरी गांव में राजीव कठेरिया (36) अपनी पत्नी कांति देवी और बेटी स्मृति (13), कीर्ति (9), प्रगति (सात) और बेटे ऋषभ (पांच) के साथ रहता था। कांति देवी बुधवार को गांव करतोली स्थित अपने मायके चली गई थी। राजीव की पत्नी कांति उर्फ कौशल्या का मायका गांव करतौली, थाना फतेहगंज पूर्वी में है। घर में राजीव और चारों बच्चे थे। राजीव के घर के बगल में रह रहे उसके पिता पृथ्वीराज ने बृहस्पतिवार सुबह पोते को चाय पीने के लिए बुलाया लेकिन अंदर से कोई आवाज नहीं आई।काफी देर तक आवाज देने के बावजूद जब कोई बाहर नहीं निकला तो उन्होंने घर के अंदर झांककर देखा। अंदर का नजारा देखकर उनकी चीख निकल गई। अंदर खून ही खून फैला था। चारपाई भी खून से सनी था। चारों बच्चों के गले धारदार हथियार से काटे गए थे। अंदर राजीव साड़ी के फंदे से लटका हुआ था। वे चिल्लाते हुए बाहर आए तो ग्रामीणों की भीड़ लग गई। सूचना पाकर एसपी राजेश द्विवेदी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। प्राथमिक जांच में युवक के मानसिक रूप से परेशान होने की बात सामने आ रही है। साथ ही गृह कलेक्श की भी जानकारी मिल रही है। पिता पृथ्वीराज ने बताया कि राजीव का एक साल पहले एक्सीडेंट हो गया था। तब से वह मानसिक रूप से परेशान रहता था। कभी-कभी दिमाग पर गर्मी चढ़ जाती थी तो उल्टी-सीधी हरकत करने लगता था। एसपी राजीव द्विवेदी ने कहा कि मामले की जांच चल रही है। प्रथमदृष्टया युवक के मानसिक दबाव में होने की बात सामने आ रही है। पिता पृथ्वीराज ने बताया कि एक वर्ष पूर्व राजीव और उसकी पत्नी कौशल्या उर्फ कांति बाइक से गांव आ रहे थे। भावलखेड़ा सीएचसी के पास ट्रॉली से बाइक टकरा गई थी। सिर में चोट लगने के बाद से राजीव अजीब हरकतें करने लगा था। वह अपने आप से ही बातें करता रहता था। बगैर किसी वजह से झगड़ा करने लगता था।

पुलिस मुठभेड़ में दो तस्कर गिरफ्तार, एक के पैर में लगी गोली

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। तस्करों के पास तमंचा और गोवध के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरण बरामद किया गया है। दोनों तस्कर कुशीनगर जिले के रहने वाले हैं। नौ गोवंश को पुलिस ने मुक्त कराया। गोवंश लेकर पिकअप से बिहार जा रहे पशु तस्करों और पुलिस के बृहस्पतिवार को सुबह मुठभेड़ हो गई। इसमें एक बदमाश के पैर में गोली लगी, जबकि दूसरे को पुलिस ने दबोच लिया। बाकी तस्कर मौके से भाग निकले। इनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगाई गई हैं।तस्करों के पास तमंचा और गोवध के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरण बरामद किया गया है। दोनों तस्कर कुशीनगर जिले के रहने वाले हैं। नौ गोवंश को पुलिस ने मुक्त कराया। दोनों तस्करों पर पडरौना कोतवाली में पहले से केस दर्ज है। दोनों पशु तस्कर कुशीनगर के रहने वाले है।

अग्निवीर में नॉमिनी के खाते की भी देनी होगी जानकारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। अग्निवीर भर्ती के लिए आवेदन शुरू हो गया है। वहीं में उनके परिवार को सही तरीके से मुआवजा मिल सके। वह अपने परिवार को नॉमिनी बना सकते हैं।

अग्निवीरों के परिवारों की सुरक्षा और भविष्य को देखते हुए अब अग्निवीर में नॉमिनी के खाते की भी जानकारी देनी होगी। अग्निवीर में अब नॉमिनी के खाते को भी लिया जाएगा। यह महत्वपूर्ण कदम है जो अग्निवीरों के परिवारों की सुरक्षा और भविष्य को सुनिश्चित करने में मदद करेगा। इस जांच से ये सुनिश्चित किया जाएगा कि नॉमिनी के खाते में कोई समस्या नहीं है और अग्निवीर की मृत्यु की स्थिति नॉमिनी बताते समय कई अन्य जानकारी भी ली जाएगी। सेना भर्ती कार्यालय के निदेशक कर्नल शैलेश कुमार ने बताया कि अभ्यर्थी सही जानकारी दें, ताकि आगे चलकर परिजनों को परेशानी न हो। अगर किसी से कोई गलती भी हो जाती है, तो वह समय रहते कार्यालय में जानकारी देकर सही करा सकता है। युवाओं को मेडिकल पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। वह इस पर कम ध्यान देते हैं।

गृहकर बकाएदारों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, बीएसए कार्यालय समेत दो प्रतिष्ठानों पर निगम ने जड़ा ताला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। वाराणसी जिले में गृहकर बकायेदारों के खिलाफ कार्रवाई का सिलसिला जारी है। बाकी है, पूर्व में कई बार गृहकर वसूली के लिए प्रयास किया गया। लेकिन गृहकर जमा नहीं किया गया। इसी मामले को लेकर संयुक्त

इसी क्रम में गुरुवार को बीएसए कार्यालय पर भी निगम ने ताला लगा दिया। गृहकर बकाएदारों के खिलाफ नगर निगम द्वारा गुरुवार को बड़ी कार्रवाई की गई। दो सरकारी विभागों को सील कर ताला बंद कर दिया गया। सुबह 10 बजे संयुक्त नगर आयुक्त जितेंद्र कुमार आनंद और कर निर्धारण अधिकारी अनुपम त्रिपाठी के नेतृत्व में कार्रवाई की गई।गौरतलब है कि बीएसए ऑफिस पर 6,73000 का टैक्स नगर आयुक्त द्वारा बड़ी कार्रवाई करते हुए बीएसए कार्यालय को बंद कर दिया गया।वहीं कुछ ही देर के अंतराल में दूसरी कार्रवाई करते हुए सांस्कृतिक संकुल में भी ताला लगा दिया गया। सांस्कृतिक संकुल पर 57000 बकाया है। सांस्कृतिक संकुल के संस्थापक से भी कई बार टैक्स जमा करने के लिए कहा गया, लेकिन कर नहीं जमा किया गया। ऐसे में दोनों प्रतिष्ठानों पर ताला बंद कर दिया गया।

औरंगाबाद कहलाएगा परशुराम चौक, मदनपुरा होगा पुष्पदंतेश्वर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
वाराणसी। काशी में अब मोहल्लों के नाम बदले जाएंगे। इसमें संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के विद्वान अपने-अपने स्तर से काम करेंगे। इसका खाका तैयार किया जाएगा। नाम परिवर्तन को लेकर काशी खंडोक्त का उपयोग किया जा रहा है। शहर के 70 फीसदी मुस्लिम और 30 फीसदी हिंदू मोहल्लों के नाम बदलने की कवायद शुरू हो गई है। पहले चरण में 50 से ज्यादा मोहल्लों के नाम बदलने का खाका तैयार किया जा रहा है। इस काम में संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के विद्वान लगाए गए हैं, जो पौराणिक मान्यता के आधार पर मोहल्लों के नए नाम का ड्राफ्ट तैयार कर रहे हैं। आगामी 20 दिनों में यह ड्राफ्ट नगर निगम को दिया जाएगा, फिर प्रस्ताव नगर निगम की कार्यकारिणी और सदन में आएगा। इस पर विधिवत चर्चा होगी, फिर नाम बदलने के प्रस्ताव पर मुहर लगाई जाएगी। अभी तक जो ड्राफ्ट बना है, उसके मुताबिक खालिसपुरा का नाम ब्रह्मतीर्थ, मदनपुरा का पुष्पदंतेश्वर और औरंगाबाद का नाम परशुराम चौक करने की तैयारी है। भाजपा पार्षदों ने मोहल्लों के नाम बदलने का मसौदा नगर निगम प्रशासन के समक्ष रखा था। इस पर सैद्धांतिक सहमति बनी, फिर काशी खंडोक्त और पौराणिक आधार पर मोहल्लों के नए नाम तय करने की प्रक्रिया शुरू हुई। इनमें मुस्लिम और हिंदू मोहल्लों के नाम शामिल हैं। 70 फीसदी मुस्लिम तो 30 फीसदी हिंदू मोहल्ले हैं।जिन मोहल्लों में पौराणिक देवी और देवता विद्यमान हैं, उन्हीं के आधार पर नाम बदला जाएगा। खालिसपुरा का नाम ब्रहमतीर्थ किए

जाने का खाका तैयार किया गया है। इसी तरह औरंगाबाद का नाम परशुराम चौक करने की तैयारी है। काशी खंडोक्त में इस क्षेत्र को भगवान परशुराम का कहा गया है। कज्जाकपुरा का नाम अनारक तीर्थ, अंबिया मंडी का अमरेश्वर तीर्थ और पीलीकोठी का स्वर्ण तीर्थ करने की तैयारी है। मदनपुरा, रेवड़ी तालाब के नाम बदलने का खाका भी तैयार किया गया है मेयर को दिया जा है पत्र, रामभद्राचार्य कर चुके हैं मांग सनातन रक्षक दल ने भी हाल ही में मेयर अशोक कुमार तिवारी और नगर आयुक्त अक्षत वर्मा को पत्र दिया था। इसमें खालिसपुरा, गोल चबूतरा, औरंगाबाद का नाम बदलने की मांग रखी गई थी। बीएचयू के एक कार्यक्रम में आए जगदगुरु रामभद्राचार्य ने भी मुगलकाल की याद दिलाने वाले मोहल्लों के नाम बदलने की मांग की थी। इसे लेकर भाजपा पार्षदों ने गोलबंदी भी शुरू कर दी।मोहल्ले के नाम बदलने के लिए नियम है कि पहले स्थानीय लोगों की राय ली जाए। अधिकतर लोगों की सहमति लिखित लेने के बाद प्रस्ताव तैयार किया जाता है। इसे स्थानीय निकाय के पास भेजा जाता है। वहां समीक्षा के बाद इसका अनुमोदन होता है। इसके बाद अधिसूचना जारी की जाती है। इसके बाद नाम बदल जाता है। जिन मोहल्लों का नाम बदला जाता है। वहां के लोगों को अपने सभी रिकॉर्ड में नाम बदलवाने की चुनौती होती है। इसके अलावा रेलवे और डाक विभाग को भी सूचित करना पड़ता है। कई बार रिकॉर्ड सुधारने में महीनों लग जाते हैं। इस नाते लोगों को दिक्कतें हो सकती हैं। पिछले दिनों में प्रदेश के कई शहरों का नाम स्टेशन का नाम बदला गया, लेकिन नाम बदलने से कोई फर्क नहीं पड़ा। आज भी लोग पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन को मुगलसराय के नाम से ही कहते हैं और प्रयागराज को इलाहाबाद के नाम से बुलाते हैं। हालांकि सरकारी दस्तावेजों में प्रयागराज और पीडीडीयूनगर ही लिखा जाता है। नगर निगम कार्यकारिणी की बैठक गुरुवार को दिन में 12 बजे मेयर अशोक कुमार तिवारी की अध्यक्षता में होगी। इसमें औरंगाबाद का नाम बदलकर लक्ष्मीनगर या नारायणी धाम नगर करने पर चर्चा होगी। इस आशय का आदेश बुधवार को कार्यकारिणी सदस्यों को जारी हो गया है। इसमें तंबाकू उत्पाद विक्रय, दुकानों के किराए में वृद्धि, बिरला अस्पताल के लीजरेंट, विज्ञापन और अनुज्ञा शुल्क, एसटीपी के रखरखाव के लिए वन सिटी वन आपरेटर, 11 पार्कों में डेयरी प्रॉडक्ट, निष्प्रयोज्य सामग्री के नीलामी आदि पर चर्चा की जाएगी इसके अलावा 12 नगर निगम के कार्यकारिणी सदस्यों के प्रस्तावों पर चर्चा की जाएगी। मेयर अशोक कुमार तिवारी ने बताया कि आगामी गर्मी और बारिश की तैयारियों पर चर्चा होगी। इसके अलावा कई अन्य बिंदुओं पर चर्चा कर शहर के बेहतर विकास की रूपरेखा तैयार की जाएगी।

सीएम योगी ने कहा- घबराइए मत, हर समस्या का होगा समाधान- 200 लोगों की सुनीं समस्याएं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
गोरखपुर। बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने के निर्देश दिए। जनता दर्शन

में महिलाओं की संख्या अधिक रही। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे।अपने नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार के आठ सफल वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर एक विशेष समारोह में शामिल होने के लिए मंगलवार को गोरखपुर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में रात्रि प्रवास करने के बाद बुधवार सुबह जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं।उन्होंने समस्या लेकर आए लोगों से आत्मीयता से संवाद करते हुए कहा, 'घबराइए मत, हर समस्या का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। हर पीड़ित की शिकायत का प्रभावी निस्तारण कराया जाएगा।' जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और उसका समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण व पारदर्शी निस्तारण कराएं।बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने के निर्देश दिए। जनता दर्शन में महिलाओं की संख्या अधिक रही। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे। एक-एक कर और इत्मीनान से सबकी समस्याएं सुनीं। उन्हें आश्वस्त किया कि वह सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। किसी को भी घबराने की आवश्यकता नहीं है। प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए।

गोरखपुर पहुंचे प्रभारी मंत्री, कहा- भव्य आकर ले रहा है नया उत्तर प्रदेश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
गोरखपुर। सामाजिक क्षेत्र में ऐतिहासिक बदलाव हुए हैं। उन्होंने कहा कि गरीब का अगर मकान बनता है, उसकी बेटी की शादी हो कहा कि गरीब का अगर मकान बनता है, उसकी बेटी की शादी हो जाती है, तो वह समझता है कि जीवन धन्य हो गया। योगी सरकार में 56 लाख लोगों के मकान बने।

जाती है, तो वह समझता है कि जीवन धन्य हो गया। योगी सरकार में 56 लाख लोगों के मकान बने। 15 करोड लोगों को राशन मिला। उत्तर प्रदेश अब बीमारू राज्य की छवि तोड़कर विकास की राह पर चल रहा है। नया उत्तर प्रदेश भव्य आकर ले रहा है। 2017 से पहले काफी चुनौतियां थी। ये बातें प्रभारी मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने बुधवार को तारामंडल स्थित महंत दिग्विजय नाथ पार्क में सरकार के आठ साल पूर्ण होने पर पत्रकारों से बातचीत में कहीं।उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश नंबर वन राज्य बनने की ओर अग्रसर है। सामाजिक क्षेत्र में ऐतिहासिक बदलाव हुए हैं। उन्होंने 15 करोड लोगों को राशन मिला।लगभग 2 करोड़ घरों में नल से जल पहुंचा। लोगों के आयुष्मान कार्ड बने, 46 लाख लोगों को निशुल्क गैस कनेक्शन दिया गया। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले सपा सरकार में दंगा होते थे, लेकिन अब प्रदेश दंगा मुक्त हो चुका है। योगी सरकार में दिव्य कुंभ हुआ।सपा सरकार में कुंभ में 7 करोड लोग पहुंचे थे लेकिन योगी सरकार में 66 करोड लोगों ने डुबकी लगाई। उन्होंने कहा कि सड़कों का जाल बिछा। उन्होंने कहा कि प्रदेश ने पर्यटन के क्षेत्र में छलांग लगाई है। 66 करोड पर्यटक बढे हैं।

सफाई कर्मियों को प्रशस्ति पत्र व अंग वस्त्र देकर किया गया सम्मानित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। उत्तर प्रदेश सरकार के सेवा सुरक्षा व सुशासन नीति के 8 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सदर तहसील में आयोजित त्रिदिवसीय विकास उत्सव कार्यक्रम का मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष बुद्धिलाल पासी ने शुभारंभ किया, इस अवसर उप जिलाधिकारी सदर प्रफुल्ल कुमार शर्मा तहसीलदार सदर प्रज्ञा द्विवेदी उपस्थित रहीं। अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसके पश्चात ग्राम बल्लीहार के 16 लाभार्थियों को घरौनी वितरण के साथ सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनों के लाभार्थियों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए तथा बीस सफाई कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र व अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष ने कहा कि उत्तर प्रदेश के उत्कर्ष के आठ वर्ष पूर्ण हुए है। प्रदेश में हर क्षेत्र में विकास हुआ है। युवा सशक्तिकरण, महिला सशक्तिकरण व्यापार सुरक्षा विरासत संरक्षण का कार्य इन आठ वर्षो में तेजी से बढ़ा है।

फेसबुक से बनी हत्यारिन, पति-बेटे का किया था कत्ल, आशिकी में कई बनी 'खूनी स्त्री'

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
गोरखपुर। शाहपुर की अर्चना यादव पर 20 जनवरी वर्ष 2016 को फिरोजाबाद के प्रेमी अजय यादव के साथ मिलकर पति डॉ. ओमप्रकाश यादव और मासूम बेटे शिवा की हत्या का आरोप लगा था। इसमें उसे सिविल कोर्ट से सजा मिली थी। नौ साल बाद अर्चना और उसके प्रेमी अजय यादव को हाईकोर्ट से जमानत मिल गई है जिले में भी मेरठ जैसी कई घटनाएं अंजाम दी गई हैं। इसमें कई जिंदगियां तबाह हो गईं। मेरठ की मुस्कान की तरह गोरखपुर की अर्चना, सीतांजली, नीलम और सादिया ने भी शादी के बाद पति की हत्या कर प्रेमी के प्यार को पाना चाहा, लेकिन जिंदगी भर का गम हाथ आया। हंसता-खेलता परिवार बर्बाद करने की वजह से समाज और परिवार ने दूरी बना ली। अब हर जगह मुंह छिपाते फिरना पड़ रहा है। शाहपुर की अर्चना यादव पर 20 जनवरी वर्ष 2016 को फिरोजाबाद के प्रेमी अजय यादव के साथ मिलकर पति डॉ. ओमप्रकाश यादव और मासूम बेटे शिवा की हत्या का आरोप लगा था। इसमें उसे सिविल कोर्ट से सजा मिली थी। नौ साल बाद अर्चना और उसके प्रेमी अजय यादव को हाईकोर्ट से जमानत मिल गई है। अभी 20 दिन पहले महराजगंज जेल से अर्चना को रिहा किया गया है। उधर, वाराणसी जेल में बंद अजय यादव की रिहाई भी भिजवा दी गई है। शुक्रवार तक वह जेल से बाहर आ जाएगा। बताया जा रहा है कि जेल से छूटने के बाद अर्चना को

घर ले जाने परिवार का कोई नहीं आया। इस वजह से उसे कुछ दिन संवासिनी गृह में रखा गया। कुछ दिन पहले वह वहां से कहीं चली गई। ससुराल व उसके परिवार के लोग उसका नाम भी सुनना नहीं चाहते हैं। सात अप्रैल 2023 को दुबई से कमाकर गीडा के मल्हीपुर स्थित अपने घर लौटे रामानंद विश्वकर्मा का शव पोखरे में मिला था। गीडा पुलिस ने जांच की तो पता चला कि रामानंद की पत्नी सीतांजली ने प्रेमी बृजमोहन व उसके दोस्त के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी थी। रामानंद के आने से पहले ही सीतांजली ने प्रेमी के साथ मिलकर साजिश रच ली थी। पति के दुबई से वापस आने पर उसे अंजाम दिया था। पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर जेल भिजवा दिया था। दो साल बाद सीतांजली और बृजमोहन जमानत पर बाहर आ गए। वर्तमान में दोनों अलग-अलग रह रहे हैं। सीतांजली इधर-उधर छिपकर जिंदगी बीता रही है। वहीं दोनों को जमानत मिलने पर रामानंद के पिता रामप्रीत विश्वकर्मा ने नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा-भले ही दोनों जेल से बाहर आ गए हैं, जब तक सजा नहीं करा लूंगा तब तक चैन से नहीं बैठूंगा। यह कहते हुए उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े। गोरखनाथ क्षेत्र में मई 2023 में रेलकर्मी अफरोज आलम (50) की गला रेतकर हत्या कर दी गई थी। मामले में गोरखनाथ पुलिस ने जांच की तो सीसीटीवी फुटेज के आधार पर हत्या के आरोप में रेलकर्मी की पत्नी सादिया और महराजगंज के प्रेमी अभिषेक चौधरी और उसके दोस्तों को गिरफ्तार कर जेल भिजवाया गया था। सभी आरोपी अभी भी जेल में बंद हैं। इस केस का ट्रायल भी तेजी से चल रहा है। पुलिस का दावा है कि बहुत जल्द आरोपियों को सजा सुनाई जाएगी। सहजनवां के सहबाजगंज में 26 फरवरी 2023 की देर रात पति अवधेश गुप्ता (35) उनके बेटे सात साल के आर्यन व छह साल के आरव की गर्दन रेतकर हत्या कर दी गई थी। इस केस में आरोपी पत्नी नीलम को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भिजवा दिया था। एक साल आठ माह तक कोर्ट में सुनवाई चली, फिर नीलम को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। जेल में नीलम बिल्कुल शांत रहती है। वह किसी से बात भी नहीं करती है।

सोनभद्र, मिर्जापुर

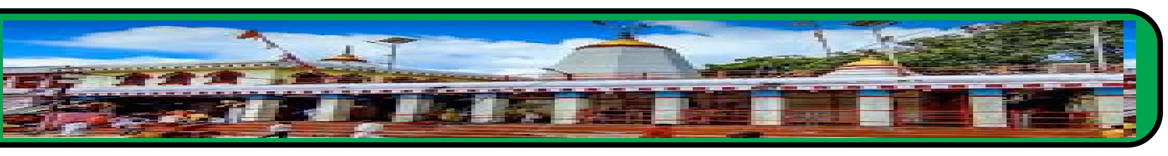

धन्य भाग्य सेवा का अवसर पाया उप संचालक गुलाब मर्सकोले

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
शहडोल। संभागीय जनसम्पर्क कार्यालय शहडोल में लगभग 14 वर्षों से पदस्थ उपसंचालक जनसम्पर्क श्री गुलाब सिंह मर्सकोले को आज उनके संभागीय जनसम्पर्क

कार्यालय सागर स्थानान्तरित होने पर संभागीय जनसम्पर्क कार्यालय शहडोल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भावभीनी विदाई दी। विदाई समारोह को सम्बोधित करते हुए शहडोल संभाग में अपने 14 वर्षीय कार्यकाल की यादों को साझा करते हुए उप संचालक श्री गुलाब सिंह मर्सकोले ने कहा कि मेरे धन्य भाग्य हैं जो मैने जनजातीय बाहुल शहडोल संभाग में अपनी सेवाएं देने का अवसर पाया। उन्होनें कहा कि शहडोल संभाग के सीधे, सच्चे, शालीन और सभ्य लोग मेरी स्मृति पटल में सदैव रहेंगे। शहडोल संभाग की वादियां, यहां की खूबसूरती, शहडोल संभाग का प्राकृतिक सौन्दर्य मेरी यादों में सदैव रहेगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2011 में मैं शहडोल संभाग में पदस्थ हुआ था, तब यहां कार्य करने की बहुत सारी चुनौतियां थी। मैने टीम वर्क के साथ कार्य किया और मेरे कार्यों को समय-समय पर प्रशंसा भी मिली। मैं शहडोल संभाग के लोगों और मीडिया कर्मियों का सदैव आभारी रहूंगा कि उन्होनें मुझे सदैव सहयोग दिया और मेरा मार्गदर्शन किया। शहडोल संभाग की पत्रकारिता सकारात्मक पत्रकारिता है। उन्होंने कहा कि शहडोल संभाग के 14 वर्षीय कार्यकाल में मैने शहडोल संभाग के जनजातीय संस्कृति को गहराई से देखा और इस संस्कृति से अभिभूत होकर मैने कर्मा, दादरिया, रीना शैला जैसे जनजातीय परपंरिक नृत्यों और लोकगीतों को सीखने का प्रयास किया। इस अवसर पर शहडोल संभाग में स्थानातंरित उप संचालक जनसम्पर्क श्री गुलाब सिंह मर्सकोले द्वारा दी गई सेवाओं का स्मरण करते हुए सहायक जनसम्पर्क अधिकारी संभागीय जनसम्पर्क कार्यालय शहडोल श्री अरूणेंद्र सिंह ने कहा कि स्थानांतरित उप संचालक जनसंपर्क ने अपने कार्यकाल के दौरान जनसंपर्क विभाग को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान जनसंपर्क विभाग को और अधिक प्रभावी और गतिशील बनाने के लिए कई नए कार्यक्रम और योजनाएं शुरू की हैं। उन्होंने कहा कि उप संचालक जनसम्पर्क श्री गुलाब सिंह मर्सकोले की एक खसियत थी कि उन्होंने टीम वर्क के साथ काम किया और कर्मचारियों को अपने कार्यकाल में कुछ न कुछ सीखने का अवसर प्रदान किया। उन्होंने कहा कि उनके मार्गदर्शन में किये गए बड़े से बडे आयोजनों को हम बेहतर ढंग से क्रियान्वित कर पाए। उन्होंने कहा कि उप संचालक जनसम्पर्क के साथ कार्य करने के लिए ज्यादा समय तो नही मिला लेकिन जितना भी समय मिला वह सराहनीय था और मुझे बहुत कुछ सीखने को भी मिला इससे मुझे अपने सेवाकाल के दौरान कार्य करने में काफी सहयोग मिलेगा। विदाई समारोह के दौरान स्थानांतरित उप संचालक श्री गुलाब सिंह मर्सकोले को शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिंह भेंट कर सम्मानित किया गया। विदाई समारोह को जनसम्पर्क कार्यालय के श्री प्रेमलाल पनिका, श्री रामपाल पनिका श्री ओम जायसवाल, श्री राजेश बैगा,श्री रामावतार कोरी, पवन वर्मा, संतोष वर्मा, श्री रामबली यादव सहित अन्य लोग उपस्थित थें।

डायट सभागार में एक दिवसीय क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। पीएम श्री योजना से आच्छादित परिषदीय प्राथमिक/

कंपोजिट विद्यालयों एवं राजकीय इंटर कॉलेज के स्कूल प्रमुखों,सहायक शिक्षकों का एक दिवसीय क्षमता संवर्धन कार्यक्रम डायट सभागार में आयोजित किया गया। इस अवसर पर शिक्षकों को संबोधित करते हुए डायट प्राचार्य /उप शिक्षा निदेशक मुकुल आनंद पांडेय ने बताया कि पीएम श्री विद्यालयों को लेकर शासन की मंशा क्या है ? जनपद सोनभद्र के पीएमश्री योजना से आच्छादित सभी विद्यालय शासन की के अनुरूप बहुत अच्छा कार्य कर रहे हैं। कंपोजिट विद्यालय मगरदहा का जिक्र करते हुए बेसिक शिक्षा अधिकारी ने बताया कि यह विद्यालय जनपद के सभी विद्यालयों के लिए प्रेरणा स्रोत है। कार्यक्रम के नोडल खंड शिक्षा अधिकारी चतरा श्री अरविंद पटेल ने उपस्थित शिक्षकों के समक्ष इस कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की और आने वाली चुनौतियों पर सभी का ध्यान आकृष्ट कराया। इस कार्यक्रम में उपस्थित जिला समन्वयक प्रशिक्षण जय किशोर वर्मा ने पी एम श्री स्कूलों का आव्हान किया कि वे जनपद के लिए रोल मॉडल बने। संदर्भ दाता विनोद कुमार विद्यासागर एवं संजय मिश्रा ने सभी नौ सत्रों पर विधिवत चर्चा की जिसमें नोडल संसाधन व्यक्ति की भूमिका, कौशल विकास लर्निंग बाय डूइंग, करियर काउंसलिंग, खान एकेडमी, प्री स्कूल शिक्षा, सामुदायिक भागीदारी, डिजिटल लर्निंग, कचरा प्रबंधन, किशोरियों के लिए आत्मरक्षा एवं स्वच्छता प्रबंधन आदि पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम में प्रतिमा सिंह ,आनंद त्रिपाठी, ज्ञानेश त्रिपाठी सपना सिंह अजय मिश्रा जी आई सी शक्तिनगर ,दुद्धी सहित 18 स्कूलों से स्कूल प्रमुख एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

संपत्ति के लालच में अधेड़ को पहाड़ी से धकेल कर की हत्या, दो गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। संपत्ति के लालच में महिलाओं ने अधेड़ को पहाड़ी से

ढकेला हुई मौत बुधवार को पूर्व में हुई घटना का कोतवाली पुलिस ने किया अनावरण थाना प्रभारी सत्येंद्र राय ने बताया कि पूर्व में घटना के दौरान हुई मृत्यु मिर्जापुर निवासी रामनारायण उम्र 60 पुत्र स्वर्गीय बुद्धू के पड़ोसी होने के साथ-साथ पिछले 1 वर्ष से थोड़ा-थोड़ा करके करीब 3 से 4 लाख मृतक को दी स्टांप पर 5 लाख देना दर्शी वही मृतक का मकान वह बंगाल की जमीन लिखवा ली इसके बाद प्लान बनाकर अपने भाभी के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दे दिया । वहीं थाना प्रभारी ने बताया पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय कालू सिंह व क्षेत्राधिकारी नगर डॉ चारू द्विवेदी के पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाये जाने हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में बुधवार को सम्पत्ति की लालच मे पहाड़ी से धक्का देकर मृत्यु कारित करने के सम्बन्ध में थाना रॉबर्ट्सगंज पर अभियुक्तों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला पंजीकृत किया गया । वहीं गिरफ्तार अभियुक्ता 1. मीना देवी पत्नी मिट्ठू निवासी कोलना थाना अदलहाट जनपद मिर्जापुर उम्र करीब 26 वर्ष व 2. रेखा पत्नी राकेश निवासी कटौली थाना दुद्धी जनपद सोनभद्र उम्र करीब 30 वर्ष को पिछले 25.03 को मारकुण्डी घाटी के नीचे थाना राबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र से गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा गया । गिरफ्तार करने वाली टीम- में.प्रभारी निरीक्षक सत्येन्द्र कुमार राय, उपनिरीक्षक विनोद कुमार यादव, चौकी प्रभारी चेरुई, प्रभु नारायण भारती, चौकी चेरूई, नीलम, दीपक साहू।

महिला को पांडू नदी पुल से धक्का देकर नीचे गिराया, दाहिने हाथ की कलाई टूटी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। जाको राखे साइयां, मार सके ना कोय वाली कहावत उस समय चरितार्थ हो गई जब एक महिला को जान मारने की नीयत से पांडु नदी पुल पर से धक्का देकर नीचे गिरा दिया गया, लेकिन सिर्फ दाहिने हाथ की कलाई टूट गई और शरीर मे कई जगह अंदरूनी चोटें आई हैं। पीड़ित महिला ने एसपी सोनभद्र अशोक कुमार मीणा से वृहस्पतिवार को मुलाकात कर आपबीती सुनाई और शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। एसपी ने कोन पुलिस को आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया है। उधर पीड़ित महिला राजकुमारी पत्नी नान्हकचंद निवासी पिपरखाड़, थाना कोन, जिला सोनभद्र ने उच्चाधिकारियों को भी रजिस्टर्ड डाक से शिकायती पत्र भेजकर कार्रवाई की मांग की है। दिए शिकायती पत्र में पीड़ित महिला ने अवगत कराया है कि 21 मार्च 2025 को दोपहर 12 बजे वह कचनरवा बाजार जा रही थी, जब वह पांडू नदी पुल पर पहुंची तभी पीछे से आकर गांव का अरुण अगरिया पुत्र रमेश अगरिया उसे पकड़ लिया और छेड़छाड़ करने लगा। विरोध करने पर गाली देते हुए कहा कि कोर्ट से नोटिस भेजवाई हो ताकि हमलोग जेल चले जाएं कहते हुए मारने पीटने लगा। उसकी मोबाइल और पांच हजार रुपये लूटने के बाद जान मारने की नीयत से धक्का मारकर पुल से नीचे गिरा दिया। इस दौरान उसके दाहिने हाथ की

कलाई टूट गई और शरीर में कई जगह अंदरूनी चोटें आई हैं। रोने की आवाज सुनकर पुल से होकर जा रहे कई लोग मौके पर आ गए और उसे पानी से बाहर निकाल कर ले आए और 112 नम्बर पुलिस को सूचना देकर बुलाया। पुलिस आई और एम्बुलेंस बुलाया,उसे लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोन ले जाकर मेडिकल बनवाकर पुलिस थाने चली गई। दूसरे दिन सुबह कोन थाने पर शिकायती पत्र दिया तो पुलिस ने उसे स्वीकार नहीं किया, बल्कि मनमाने ढंग से अधूरी बात लिखवाकर ले लिया और एक रसीद दिया कहा पता करते रहना। जब घर आई तो शाम साढ़े छह बजे अभियुक्तगण अरुण अगरिया, अरविंद अगरिया, अनिल अगरिया, प्रियंका, रमेश अगरिया, संजय पासवान घर में घुस आए कहा कि नोटिस भेजवाई हो और थाने में भी शिकायत की हो उसे वापस ले लो, अन्यथा अबकी बार पुल से नीचे गिरने के बाद भी बच गई, लेकिन अब नहीं बचोगी। पूरे परिवार को जान से मरवा दूंगा। हमलोगों का कुछ नहीं होने वाला, क्योंकि थाने से लेकर ऊपर तक पहुंच है। जब हिम्मत जुटाकर 23 मार्च को थाने गई और अभियुक्तगण के विरुद्ध शिकायत की तो पुलिस वालों ने डांट कर भगा दिया। अभियुक्तगण ने पूर्व में 18 मार्च 2023 को भी घर में घुसकर छेड़छाड़, मारपीट, लूट की घटना को अंजाम दिया था। इस मामले में सीजेएम कोर्ट ने 30 मार्च को अभियुक्तों को सम्मन के जरिए तलब किया है। इसी से नाराज होकर अभियुक्तों ने इस घटना को अंजाम दिया है। कोई कार्रवाई न होने की वजह से अभियुक्तों का हौसला बुलंद है। शीघ्र कार्रवाई न होने पर अभियुक्तगण किसी भी दिन बड़ी घटना को अंजाम दे सकते हैं। एसपी ने कोन पुलिस को कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

बीएसए ने कई विद्यालय का किया निरीक्षण दिए दिशा निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मुकुल आनंद पांडेय द्वारा

गुरुवार को जिला मुख्यालय स्थित कई प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया जिसमें काफी नाराजगी जताते हुए स्पष्टीकरण भी जारी कर दिए गए दिशा निर्देश। श्री पांडेय ने बताया कि सूचना कुछ विद्यालयों की मिल रही थी जिस पर आज निरीक्षण किया गया है वहीं आपसी विवाद, एमडीएम की गुणवत्ता, साफ सफाई, शैक्षिक कार्यों को पूर्ण करने के लिए स्पष्टीकरण जारी किया गया है और संबंधितों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए गए हैं पेस ने बताया कि सरकार की योजनाओं को धरातल पर लाने के लिए किसी भी प्रकार से लापरवाही करने वाले कर्मचारीयो को क्षम्य नहीं किया जाएगा।

सनातनी सरकार के मंत्री ने सनातन के ज्ञान का अभाव - गिरीश पाण्डेय

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। सोनभद्र जायसवाल समाज की ओर से आयोजित होली मिलन समारोह में सोनभद्र आये स्वतंत्र प्रभार मंत्री स्टाम्प तथा न्यायालय शुल्क एवं पंजीयन विभाग मंत्री रविन्द्र जायसवाल ने तेरही संस्कार को बकवास बताते हुए इसे समाज के कमजोर वर्ग के लिए भार बताया। मंत्री का बयान सोनभद्र समाज में चर्चा का विषय बना हुआ है। पूर्वांचल नव निर्माण मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गिरीश पाण्डेय ने कहा कि सनातनी सरकार के मंत्री रविन्द्र जायसवाल को सनातन धर्म के ज्ञान का अभाव है। चर्चा में बने रहने और विशेष वर्ग जाति के लोगों को खुश करने के लिए ऐसे विवादित बयानों के चलन का शिकार हो रहे हैं मंत्री । गिरीश पाण्डेय ने बताया कि मनुष्य की जीवन में गर्भाधान संस्कार, पुंसवन, सीमांतोयंत्रण, जातकर्म, नामकरण, निष्क्रमण, अन्नप्राशन, चूड़ाकर्म, कर्णवेध, विद्यारम्भ, उपनयन, वेदारम्भ, केशान्त, समावर्तन विवाह, अंत्येष्टि जैसे सोलह संस्कार किए जाने का प्रमाण

हमारे धर्म ग्रंथों में वर्णित है। जिसमें अंत्येष्टि संस्कार का समापन तेरही के दिन घर, परिवार, रिश्तेदार नातेदारों को भोज कराकर किया जाता है। गिरीश पाण्डेय ने मंत्री रविन्द्र जायसवाल पर ब्राम्हण विरोधी होने का आरोप लगाते हुए कहा कि तेरही भोज में एकत्रित सभी आत्मीय जन मृतक के स्थान पर पीड़ित परिवार के वरिष्ठ व्यक्ति का पगड़ी संस्कार करते हुए उत्तराधिकारी घोषित करने की व्यवस्था सनातन धर्म में संस्कारों के माध्यम से की गई है। जरुरी नहीं है कि कोई दलित या जायसवाल अपने मृतक परिजन की तेरही में ब्राम्हण भोज करें, उनके लिए उनकी बेटी, बहन के घर के लोग ही ब्राम्हण समान होते हैं। गिरीश पाण्डेय ने कहा ब्राम्हणों का विरोध कर वोट की राजनीति साधने के चक्कर में मंत्री योगी और मोदी की सरकार को कलंकित करने का काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री गिरीश पाण्डेय ने मामले का संज्ञान लेते हुए मंत्री को पदों से मुक्त करने तक की मांग किया है।

आउटसोर्सिंग कंपनियों में भ्रष्टाचार: स्थानीय युवाओं के हक पर डाका, एबीवीपी ने दी उग्र आंदोलन की चेतावनी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। जिले में संचालित औद्योगिक व ऊर्जा परियोजनाओं में स्थानीय युवाओं और विस्थापितों को रोजगार देने की प्रतिबद्धता के बावजूद, आउटसोर्सिंग कंपनियों द्वारा बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने इस गंभीर मुद्दे को उठाते हुए जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा और अवैध भर्ती प्रक्रिया पर रोक लगाने की मांग की। परिषद ने अपने ज्ञापन में आरोप लगाया कि एनसीएल खड़िया परियोजना के अंतर्गत कार्यरत कलिंगा कमर्शियल कॉरपोरेशन लिमिटेड (एबीवीपी) द्वारा आउटसोर्सिंग के माध्यम से हो रही भर्तियों में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं हो रही हैं। कंपनी के एचआर विभाग द्वारा स्थानीय बिचौलियों के माध्यम से 2-3 लाख रुपये की रिश्वत लेकर भर्ती की जा रही है। इस भ्रष्टाचार के कारण योग्य लेकिन आर्थिक रूप से कमजोर उम्मीदवारों को बाहर कर दिया जाता है, जबकि रिश्वत देने वाले अयोग्य अभ्यर्थियों की नियुक्ति की जा रही है।इस गंभीर विषय पर एबीवीपी काशी प्रान्त प्रान्त सह मंत्री के शशांक मिश्रा ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा, स्थानीय युवाओं के अधिकारों का हनन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि जल्द ही अवैध भर्तियों पर रोक नहीं लगी और दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो विद्यार्थी परिषद उग्र आंदोलन करने को मजबूर होगी विद्यार्थी परिषद ने प्रशासन से बिचौलियों पर कठोर कार्रवाई करने, अवैध भर्तियों को रद्द करने और स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता देने की मांग की है। परिषद ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं निकला, तो बड़ा जनांदोलन होगा, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन और कंपनी प्रबंधन की होगी। अब देखना होगा कि प्रशासन इस भ्रष्टाचार पर क्या कदम उठाता है, या फिर युवाओं को अपने हक के लिए सड़क पर उतरना पड़ेगा।

आईएमएस में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की शुरुआत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (आईएमएस) नोएडा में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। बृहस्पतिवार को

सम्मेलन के पहले दिन बतौर मुख्य अतिथि एनटीपीसी पावर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट की कार्यकारी निदेशक रचना सिंह भाल, विशिष्ट अतिथि आर्या एज के सीनियर जनरल मैनेजर जोगिंदर रल्हन, पीएमओ एवं गृह मंत्रालय की वरिष्ठ सलाहकार सुश्री शांति एवं कार्थेज विश्वविद्यालय, ट्यूनीशिया की प्रेसिडेंट नादिया जौघी ने अपने विचार प्रकट किए। वहीं सम्मेलन के दौरान आईएमएस के प्रसिडेंट राजीव कुमार गुप्ता, महानिदेशक प्रोफेसर (डॉ.) विकास धवन, डीन डॉ. नीलम सक्सेना का साथ शिक्षक एवं छात्रों ने अपनी मौजूदगी दर्ज करायी। सम्मेलन की शुरुआत करते हुए प्रोफेसर (डॉ.) विकास धवन ने कहा कि आईएमएस के 8 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रबंधन, प्रौद्योगिकी एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए विकसित भारत 2047 के अंतर्गत सशक्त परिवर्तन के माध्यम से भविष्य के लिए नवाचार पर विशेष चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि तकनीक और नवाचार के इस युग में, हमें न केवल वर्तमान की चुनौतियों को समझना होगा, बल्कि भविष्य की संभावनाओं को भी तलाशना होगा। इस सम्मेलन का उद्देश्य ज्ञान, नवाचार और शोध को एक साझा मंच पर लाना है, जहां उद्योग जगत के दिग्गज, शिक्षाविद और शोधकर्ता अपने विचारों का आदान-प्रदान कर सकें। सम्मेलन के मुख्य अतिथि रचना सिंह भाल ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी युग में कौशल विकास और नवाचार ही सफलता की कुंजी हैं। भारत तेजी से डिजिटल और तकनीकी क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है, विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए हमें सशक्त परिवर्तन को अपनाना होगा और प्रबंधन, तकनीकी नवाचार एवं उद्यमिता को बढ़ावा देना होगा। वहीं जोगिंदर रल्हन ने कहा कि आधुनिक प्रबंधन और तकनीकी नवाचार किसी भी राष्ट्र की प्रगति के मूल आधार हैं। यदि हम वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अग्रणी बनना चाहते हैं तो हमें सतत अनुसंधान, नवाचार और डिजिटल परिवर्तन को अपनाने की आवश्यकता है। सम्मेलन के दौरान सुश्री शांति ने कहा कि स्टार्टअप संस्कृति, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा एनालिटिक्स और ऑटोमेशन जैसे क्षेत्रों में तेजी से बदलाव हो रहे हैं। ऐसे में छात्रों और उद्योग विशेषज्ञों को मिलकर नए अवसरों की पहचान करनी होगी एवं इन परिवर्तनों को अपनी रणनीतियों में शामिल करना होगा। वहीं नादिया जौघी ने कहा कि डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, उद्यमिता और सतत विकास आज की प्रमुख जरूरतें हैं। यदि हम एक सशक्त भविष्य का निर्माण करना चाहते हैं, तो हमें छात्रों और पेशेवरों को नवीनतम तकनीकों और प्रबंधन रणनीतियों से अवगत कराना होगा। उन्होंने आईएमएस नोएडा के इस सम्मेलन की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे शैक्षणिक आयोजनों से वैश्विक स्तर पर शिक्षा और उद्योग जगत के बीच संवाद को बढ़ावा मिलता है, जिससे छात्रों को अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में सीखने और बढ़ने का अवसर मिलता है।

युवाओं के कंधों पर देश की सबसे बड़ी जिम्मेदारी - डॉ0 प्रदीप यादव

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
शक्तिनगर । महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ एनटीपीसी परिसर , शक्ति नगर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई

द्वितीय की और से आज चतुर्थ एकदिवसीय शिविर का आयोजन किया गया । राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सत्र 2024 -25 सत्र के अंतिम शिविर में काफी संख्या में स्वयंसेवकों ने विश्वविद्यालय परिसर में झाड़ू लगाकर साफ-सफाई किया। इस अवसर पर आयोजित समारोह की अध्यक्षता कर रहे संस्था के प्रभारी डॉ प्रदीप कुमार यादव ने कहा की आज युवाओं के कंधे पर देश की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है । इस जिम्मेदारी का निर्वहन वह अपने कर्तव्य और निष्ठा के द्वारा ही कर सकते हैं । स्वयंसेवकों का देश और समाज के प्रति क्या कर्तव्य है उन्हें स्वयं विचार करना होगा। वर्तमान प्रतियोगिता के दौर में युवाओं को स्वयं को तैयार रखना होगा तभी वह अपने कर्तव्य का निर्वहन कर सकते हैं ।मुख्य वक्त के रूप में वरिष्ठ शिक्षक डॉक्टर मानिकचंद पांडे ने कहा कि आज आधुनिकता का दौर है ऐसी स्थिति में आप लोगों को स्वयं तैयार रहना होगा तभी देश के विकास की मुख्य धारा से स्वयं को जोड़ सकते हैं आज डिजिटल का दौर है ऐसे में इससे संबंधित समस्त उपकरणों का ज्ञान आपको रखना होगा तभी आप अपने देश और समाज की सेवा कर सकते हैं ।समारोह को डॉक्टर रागिनी श्रीवास्तव ,डॉक्टर आनंद प्रिया सिंह, डॉ मनोज कुमार गौतम ने भी संबोधित किया। अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम अधिकारी अजय लक्ष्मी ने किया । शिविर में मुख्य रूप से कुलदीप ,रोशनी, जगतार, शकुंतला आदि ने सहयोग किया । कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ तथा संचालन डॉक्टर छोटेलाल प्रसाद ने किया।

मंत्री दिनेश प्रताप सिंह की उपस्थिति में राज्य स्तरीय गोष्ठी हुई संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार तथा कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिनेश प्रताप सिंह की उपस्थिति में रायबरेली के विकासखंड हरचंदपुर के ब्लॉक सभागार में गुणवत्तायुक्त पान उत्पादन को प्रोत्साहित करने हेतु राज्य स्तरीय गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में मंत्री सिंह ने कहा कि रायबरेली के पान उत्पादकों को आधुनिक तकनीकों और सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ दिलाकर उनकी उपज को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचाने का हरसंभव प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पान की खेती करने वाले किसानों के लिए सरकार विशेष योजनाएं संचालित कर रही है, जिनके तहत सब्सिडी, बीमा तथा तकनीकी सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने किसानों से वैज्ञानिक विधियों को अपनाने पर जोर देते हुए कहा कि यदि पारंपरिक खेती के साथ-साथ औद्यानिक आधुनिक तकनीकों की खेती को अपनाया जाए, तो उत्पादन में वृद्धि होगी और गुणवत्ता भी बेहतर होगी, जिससे बाजार में उनके उत्पादों की मांग बढ़ेगी। मंत्री ने यह भी कहा कि प्रदेश सरकार किसानों की आय को दोगुना करने के लक्ष्य पर कार्य कर रही है, जिसमें औद्यानिक फसलों को विशेष रूप से बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने रायबरेली के पान उत्पादकों की सराहना करते हुए कहा कि यह क्षेत्र पान उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है। उन्होंने किसानों को आश्वस्त किया कि सरकार उनकी हर संभव सहायता करेगी, जिससे वे अपने उत्पादों को बड़े बाजारों तक पहुंचा सकें और आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें। इस अवसर पर राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत 35 पान उत्पादक कृषकों को कुल 13,24,388 रूपए की आर्थिक सहायता राशि के डमी चेक वितरित किए गए। कार्यक्रम में उद्यान विभाग के निदेशक डॉ. वी.बी. द्विवेदी ने सब्सिडी व बीमा योजनाओं की जानकारी दी, जबकि जिला उद्यान अधिकारी डॉ. जय राम वर्मा ने बताया कि जनपद के बछरावां, हरचंदपुर और शिवगढ़ में पान की खेती प्रमुख रूप से की जाती है, और अब महाराजगंज, लालगंज व सतांव में भी यह तेजी से बढ़ रही है। गोष्ठी में संयुक्त निदेशक उद्यान सर्वेश कुमार, उप निदेशक उद्यान पंकज कुमार शुक्ला, उप निदेशक आलू कौशल किशोर नीरज, कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. दीपक मिश्रा, डॉ. एस.बी. सिंह व डॉ. आर.के. कन्नौजिया ने जैविक खेती व वैज्ञानिक विधियों से खेती करने पर व्याख्यान दिया।

स्पोर्ट्स

रियान पराग की मोहब्बत में सुरक्षा घेरा तोड़ पिच पर पहुंचा प्रशंसक, पैर छूकर लिया कप्तान से आशीर्वाद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। यह घटना कोलकाता की पारी के 12वें ओवर की है। रियान पराग गेंदबाजी के लिए तैयार हो रहे थे, लेकिन तभी उन्हें पीछे से एक प्रशंसक के आने की भनक लगी और वह मुड़कर केकेआर के सामने 152 रनों का लक्ष्य रखा है। इस मैच में एक प्रशंसक रियान पराग के करीब पहुंच गया और उनके पैर छूकर आशीर्वाद लिया। इसकी तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं।दरअसल, यह घटना कोलकाता पैर छुए और आशीर्वाद लिया। बता दें कि, रियान गुवाहाटी के हैं और आज उनके होमग्राउंड पर यह मुकाबला खेला जा रहा है। यह पहला मौका नहीं है जब इस सत्र में कोई प्रशंसक मैदान पर किसी खिलाड़ी के करीब पहुंचा है। हाल

उसे देखने लगे। सुरक्षा कर्मियों को चकमा देकर प्रशंसक पिच पर पहुंच गया और सीधे कप्तान रियान पराग के कदमों में जा गिरा। आईपीएल 2025 का छठा मुकाबला राजस्थान रॉयल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेला जा रहा है। गुवाहाटी में खेले जा रहे इस मुकाबले में राजस्थान ने गत विजेता की पारी के 12वें ओवर की है। रियान पराग गेंदबाजी के लिए तैयार हो रहे थे, लेकिन तभी उन्हें पीछे से एक प्रशंसक के आने की भनक लगी और वह मुड़कर उसे देखने लगे। सुरक्षा कर्मियों को चकमा देकर प्रशंसक पिच पर पहुंच गया और सीधे कप्तान रियान पराग के कदमों में जा गिरा। उसने उनके ही में विराट कोहली कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ इस सत्र का पहला मैच खेलने के लिए ईडन गार्डंस पहुंचे थे। मैच के दौरान एक प्रशंसक उनके करीब पहुंच गया था। इस दौरान उसने उनके पैर छुए थे और स्टार खिलाड़ी को गले लगाया था। मालूम हो कि, यह आईपीएल का पहला मैच था। जिसे आरसीबी ने सात विकेट से जीता था। कोलकाता की घातक गेंदबाजी ने राजस्थान के बल्लेबाजों को 151 रन के स्कोर पर रोक दिया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी रियान पराग की टीम ने 20 ओवर में नौ विकेट खोकर 152 रन का लक्ष्य तैयार किया है। केकेआर के लिए वैभव अरोड़ा, हर्षित राणा, मोईन अली और वरुण चक्रवर्ती ने दो-दो विकेट झटके। वहीं, स्पेंसर जॉनसन को आखिरी ओवर में जोफ्रा आर्चर के रूप में एक सफलता मिली। इस मैच में राजस्थान की शुरुआत शानदार हुई थी। यशस्वी जायसवाल और संजू सैमसन के बीच पहले विकेट के लिए 33 रनों की साझेदारी हुई। वैभव अरोड़ा ने चौथे ओवर में विकेटकीपर बल्लेबाज सैमसन को बोल्ड किया। वह 11 गेंदों में 13 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद मोर्चा रियान पराग और जायसवाल ने संभाला। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 34 रन जोड़े। कप्तान पराग 25 रन बना पाए। राजस्थान के लिए ध्रुव जुरेल ने सर्वाधिक 33 रनों की पारी खेली। उनके अलावा नीतीश राणा ने आठ, वानिंदु हसरंगा ने चार, शुभम दुबे ने नौ, जोफ्रा आर्चर ने 16 रन बनाए। वहीं, महीश तीक्षणा और तुषार देशपांडे क्रमशः एक और दो रन बनाकर नाबाद रहे।

15 गेंदों के शेष रहते कोलकाता ने हासिल किया लक्ष्य, अंक तालिका में हुआ बड़ा बदलाव

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कोलकाता ने इस जीत के सात अंक तालिका में छठा स्थान हासिल कर लिया है। उसके खाते में दो अंक और नेट रनरेट -0.308 रन बनाए। जवाब में कोलकाता नाइट राइडर्स ने 17.3 ओवर में दो विकेट गंवाकर 153 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया।कोलकाता ने इस जीत के

का हो गया। वहीं, राजस्थान लगातार दो मैचों में शिकस्त के साथ निचले पायदान पर पहुंच गई। सनराइजर्स हैदराबाद दो अंक और 2.200 के नेट रनरेट के साथ शीर्ष पर है। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत राजस्थान रॉयल्स (आरआर) को आठ विकेट से हराकर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत हासिल कर ली। बुधवार को गुवाहाटी के बारसपारा क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी राजस्थान रॉयल्स ने 20 ओवर में नौ विकेट खोकर 151 सात अंक तालिका में छठा स्थान हासिल कर लिया है। उसके खाते में दो अंक और नेट रनरेट -0.308 का हो गया। वहीं, राजस्थान लगातार दो मैचों में शिकस्त के साथ निचले पायदान पर पहुंच गई। सनराइजर्स हैदराबाद दो अंक और 2.200 के नेट रनरेट के साथ शीर्ष पर है। 152 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी केकेआर को मोईन अली और क्विंटन डिकॉक ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 41 रनों की साझेदारी हुई। अली को महीश तीक्षणा ने रनआउट किया।

'दिल टूट गया रॉयल्स के कोच राहुल द्रविड़ को व्हीलचेयर पर देखकर फैंस हुए दुखा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। यह दिग्गज खिलाड़ी फिलहाल बिना बैसाखी के नहीं चल पा रहा है और कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ आरआर की हालिया हार के बाद वह व्हील चेयर में मैदान के चारों ओर घूमते हुए नजर आए। राहुल द्रविड़ की और कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ आरआर की हालिया हार के बाद वह व्हील चेयर में मैदान के चारों ओर घूमते हुए नजर आए। व्हीलचेयर पर द्रविड़ की तस्वीर और वीडियो वायरल हो गया है। सोशल मीडिया यूजर्स इस पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं और

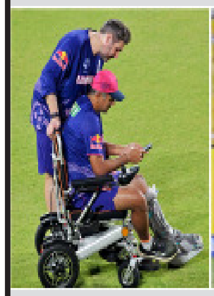

दुख व्यक्त कर रहे हैं। आईपीएल 2025 से पहले आरआर ने सोशल मीडिया पर एक फोटो साझा की थी, जिसमें उन्होंने लिखा था, 'मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को बंगलूरू में क्रिकेट खेलते समय चोट लग कोचिंग में राजस्थान रॉयल्स की आईपीएल 2025 की शुरुआत खराब रही है। पहले दो मैचों में दो हार के साथ आरआर -1.882 के नेट रन-रेट के साथ अंक तालिका में सबसे नीचे है। आईपीएल 2025 से पहले द्रविड़ को एक क्लब चैरिटी मैच में खेलते समय पैर में चोट लग गई थी और वह अपने बाएं पैर पर बैंडेज के साथ आरआर कैंप में पहुंचे। यह दिग्गज खिलाड़ी फिलहाल बिना बैसाखी के नहीं चल पा रहा है गई। वह फिलहाल रिहैब में हैं और जल्द जयपुर में हमारे साथ जुड़ेंगे।' इसके बाद उनकी सबसे पहली तस्वीर बैसाखी के सहारे चलते हुए आई थी। फैंस इसे देखकर चौंक गए थे। अभी भी फैंस उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं। द्रविड़ की कोचिंग में भारत ने पिछले साल टी20 विश्व कप अपने नाम किया था। द्रविड़ राजस्थान रॉयल्स के पूर्व कप्तान रह चुके हैं और 2011 से 2015 तक फ्रेंचाइजी के साथ पांच सत्र बिताए थे।

दूसरी गेंद का नियम पहली बार आईपीएल में हुआ इस्तेमाल, राजस्थान इसका उपयोग करने वाली पहली टीम बनी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। बारासपारा मैदान की पिच पर गेंद रूक कर आ रही थी और पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद राजस्थान के बल्लेबाज अपने घरेलू मैदान पर सामंजस्य बैठाने के लिए संघर्ष करने के बावजूद राजस्थान रॉयल्स को केकेआर के खिलाफ आठ विकेट से हार का सामना करना पड़ा। यह उनकी लगातार दूसरी हार रही। क्विंटन डिकॉक की 61 गेंदों पर नाबाद 97 रनों की शानदार पारी की बदौलत

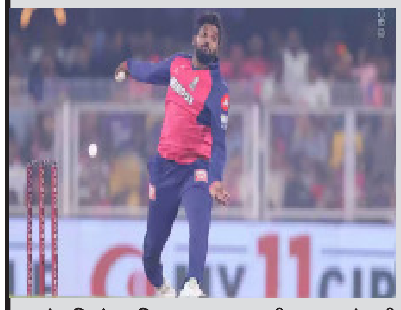

कोलकाता ने इस सीजन में अपनी पहली जीत दर्ज की।शाम को खेले जाने वाले मैचों में अगर अंपायरों को लगता है कि ओस खेल पर अपना प्रभाव डाल रही है तो वह दूसरी पारी के 11वें ओवर से नई गेंद का इस्तेमाल करते दिखे। रियान पराग की कप्तानी में यह राजस्थान की लगातार दूसरी हार रही। आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच 26 मार्च को गुवाहाटी में खेले गए मैच में पहली बार दूसरी गेंद का नियम देखने को मिला। कार्यवाहक कप्तान रियान पराग के मार्गदर्शन में राजस्थान रॉयल्स ने केकेआर की पारी के 17वें ओवर में गेंद बदलने का अनुरोध किया, लेकिन यह मैच का पासा पलटने के लिए काफी नहीं था। नए नियम का इस्तेमाल करने की अनुमति दे सकते हैं। शाम को होने वाले मैचों पर यह नियम लागू होगा। दोपहर में होने वाले मैचों पर यह नियम लागू नहीं होगा। इससे हाईस्कोरिंग मैचों को बनाए रखने में मदद मिलेगी। ताकि दोनों पारी में खेल संतुलित रहे और चेज करने वाली टीम को ओस की मदद न मिले। अक्सर शाम के मैचों में ओस का प्रभाव देखते हुए टॉस जीतने पर टीमें पहले गेंदबाजी का फैसला करती दिखती हैं। इससे अब खेल बैलेंस्ड होगा।

रियान पराग को आउट करने के लिए ये क्या कर बैठे क्विंटन डिकॉक कैच लेने से पहले फेंका हेलमेट

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ने कुछ ऐसा किया जिसे हर कोई हैरान रह गया। गुवाहाटी के बारसपारा क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में गत विजेता केकेआर ने राजस्थान को आठ और गेंद बल्ले के निचले किनारे से लगकर हवा में काफी ऊपर चली गई। डिकॉक ने बिना मौका गंवाए अपना हेलमेट उतारा और दूर

देखकर प्रशंसक दंग रह गए। दरअसल, केकेआर के लिए विकेटकीपिंग कर रहे डिकॉक ने राजस्थान के कार्यवाहक कप्तान रियान का कैच लेने से पहले अपना हेलमेट दूर फेंक दिया। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ने बुधवार को राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के खिलाफ मुकाबले में रियान पराग को शानदार कैच लपककर पवेलियन भेजा। इस दौरान उन्होंने अपना हेलमेट भी फेंक दिया, जिसे देखकर विकेट से हराकर जीत का खाता खोला। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ने कुछ ऐसा किया जिसे देखकर प्रशंसक दंग रह गए। दरअसल, केकेआर के लिए विकेटकीपिंग कर रहे डिकॉक ने राजस्थान के कार्यवाहक कप्तान रियान का कैच लेने से पहले अपना हेलमेट दूर फेंक दिया। यह घटना आठवें ओवर की पांचवीं गेंद पर हुई जब वरुण चक्रवर्ती की ऑफ स्टंप के बाहर आती गेंद पर रियान ने बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की लेकिन वह इसमें सफल नहीं हुए फेंका। इसके बाद उन्होंने कैच लपककर पराग को पवेलियन लौटने पर मजबूर कर दिया। अपने होमग्राउंड पर आईपीएल के इस सत्र का दूसरा मुकाबला खेलने उतरे रियान ने 15 गेंदों में 25 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से तीन ताबड़तोड़ छक्के निकले। हालांकि, वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। लगातार दूसरे मैच में मिली शिकस्त के साथ राजस्थान रॉयल्स अंक तालिका में निचले स्थान पर खिसक गई जबकि केकेआर छठे पायदान पहुंच गई।

राजस्थान के खिलाफ मैच में क्यों नहीं खेल रहे सुनील नरेन कप्तान अजिंक्य रहाणे ने बताई वजह

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। राजस्थान और केकेआर के बीच बराबरी का मुकाबला है। दोनों टीमों के हेड टु हेड की बात करें तो राजस्थान और केकेआर के बीच आईपीएल में अब तक कुल 29 मैच हुए हैं जिसमें दोनों ही टीमों ने 14-14 मुकाबले जीते हैं, जबकि एक मैच बेनतीजा रहा है आईपीएल 2025 का छठा मुकाबला राजस्थान रॉयल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेला जा रहा है। इस मैच में गत विजेता केकेआर स्टार ऑलराउंडर

सुनील नरेन के बगैर उतरी है। टीम के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने टॉस के बाद इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वेस्टइंडीज के दिग्गज खिलाड़ी अस्वस्थ हैं, इसलिए उन्हें इस मैच में आराम दिया गया है।हार के साथ आईपीएल 2025 सीजन की शुरुआत करने वाली गत चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और राजस्थान रॉयल्स की टीम की नजरें जीत की पटरी पर लौटने पर हैं। कोलकाता को पहले मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से हार मिली, जबकि सनराइजर्स हैदराबाद ने राजस्थान को हराया था। इस मैच में केकेआर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया है। कप्तान अजिंक्य रहाणे ने बताया कि सुनील नरेन की जगह मोईन अली को प्लेइंग 11 में शामिल किया गया है। वह इस मुकाबले के जरिए राजस्थान के लिए आईपीएल में डेब्यू कर रहे हैं। राजस्थान और केकेआर के बीच बराबरी का मुकाबला है। दोनों टीमों के हेड टु हेड की बात करें तो राजस्थान और केकेआर के बीच आईपीएल में अब तक कुल 29 मैच हुए हैं जिसमें ने दोनों ही टीमों ने 14-14 मुकाबले जीते हैं, जबकि एक मैच बेनतीजा रहा है। राजस्थान और कोलकाता की टीमें इस सीजन अपने पहले मैच में बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभाग में आक्रामकता दिखाने में असफल रही। दोनों टीमें अब वापसी करना चाहेंगी। राजस्थान रॉयल्सः यशस्वी जयसवाल, संजू सैमसन, नीतीश राणा, रियान पराग (कप्तान), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), शिमरन हेटमायर, वानिंदु हसरंगा, जोफ्रा आर्चर, महीश तीक्षणा, तुषार देशपांडे, संदीप शर्मा। इम्पैक्ट प्लेयर्सः कुणाल सिंह राठौड़, शुभम दुबे, आकाश मधवाल, कुमार कार्तिकेय, क्वेन मफाका। कोलकाता नाइट राइडर्सः क्विंटन डिकॉक (विकेटकीपर), वेंकटेश अय्यर, अजिंक्य रहाणे (कप्तान), रिंकू सिंह, मोइन अली, आंद्रे रसेल, रमनदीप सिंह, स्पेंसर जॉनसन, वैभव अरोड़ा, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती। इम्पैक्ट प्लेयर्सः एनरिक नॉर्त्जे, मनीष पांडे, अंगकृष रघुवंशी, अनुकूल रॉय, लवनीथ सिसोदिया।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं

आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे

किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।

आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।

आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे हैं तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते हैं। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।

आज आप पतनी के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।

स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।

आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसन्न रहेगा।

आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

जीत की पटरी पर लौटना चाहेंगे केकेआर और राजस्थान, जॉनसन की जगह नॉर्त्जे को मिलेगा मौका

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। गत चैंपियन केकेआर और राजस्थान रॉयल्स को अपने पहले मैच में हार का सामना करना पड़ा था। दोनों टीमें अब बुधवार को आमने-सामने होंगी और उनकी नजरें जीत का खाता खोलने पर टिकी होंगी। हार के साथ आईपीएल 2025 सीजन की शुरुआत करने वाली गत चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और राजस्थान रॉयल्स की टीम की नजरें जीत की पटरी पर लौटने पर होगी। कोलकाता को पहले मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से हार मिली, जबकि सनराइजर्स हैदराबाद ने राजस्थान को हराया था। राजस्थान की टीम नियमित कप्तान के बिना उतर रही है। संजू सैमसन पिछले मैच में इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे थे और इस मैच में भी वह इसी भूमिका में उतर सकते हैं। राजस्थान और केकेआर के बीच बराबरी का मुकाबला है। दोनों टीमों के हेड टु हेड की बात करें तो राजस्थान और केकेआर के बीच आईपीएल में अब तक कुल 29 मैच हुए हैं जिसमें ने दोनों ही टीमों ने 14-14 मुकाबले जीते हैं, जबकि एक मैच बेनतीजा रहा है। राजस्थान और कोलकाता की टीमें इस सीजन अपने पहले मैच में बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों

विभाग में आक्रामकता दिखाने में असफल रही। दोनों टीमें अब वापसी करना चाहेंगी। राजस्थान और केकेआर दोनों ही टीमें अभी जीत का खाता नहीं खोल सकी हैं, लेकिन कागजों में केकेआर का पलड़ा ज्यादा भारी पड़ता दिखाई दे रहा है। राजस्थान के कार्यवाहक कप्तान रियान पराग की भी परीक्षा होगी क्योंकि पहले मैच में वह कुछ फैसले करते हुए असमंजस की स्थिति में दिखे। राजस्थान के लिए नियमित कप्तान सैमसन ने इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरकर अच्छी बल्लेबाजी की थी और टीम को मैच में बनाए रखा था, लेकिन राजस्थान की टीम विशाल लक्ष्य को हासिल नहीं कर सकी थी। केकेआर के लिए स्पिनर वरुण चक्रवर्ती का खराब प्रदर्शन चिंता का विषय है। ईडन गार्डंस की पिच पर फिल सॉल्ट और विराट कोहली ने वरुण के खिलाफ आसानी से रन बटोरे। केकेआर को उम्मीद होगी कि वरुण राजस्थान के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करें। पिछले मैच में कप्तान अजिंक्य रहाणे और सुनील नरेन के आउट होने के बाद केकेआर का मध्यक्रम बिखर गया था। वेंकटेश अय्यर और आंद्रे रसेल गलत शॉट खेलकर आउट हुए। टीम प्रबंधन को अब उम्मीद रहेगी कि वह शॉट चयन में सतर्कता बरतेंगे। केकेआर की निगाह एनरिच नॉर्त्जे की फिटनेस पर भी टिकी रहेंगी जो पीठ की जकड़न से उबर रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका का यह तेज गेंदबाज अगर फिट घोषित होता है तो उन्हें स्पेंसर जॉनसन की जगह प्लेइंग-11 में शामिल किया जा सकता है। नॉर्त्जे का मैच में खेलना उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा। अगर नॉर्त्जे फिट नहीं हुए तो इस बात की संभावना कम है कि केकेआर मैच के लिए प्लेइंग-11 में कोई खास बदलाव करे। राजस्थान की टीम को अगर वापसी करनी है तो उसके गेंदबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। सनराइजर्स के खिलाफ पिछले मैच में उसके मुख्य तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने चार ओवर में 76 रन लुटाए, जबकि फजल हक फारूकी और महेश थीक्षाना भी बल्लेबाजों पर अंकुश नहीं लगा पाए थे।

सम्पादकीय

विश्व एक रंगमंच है और दुनिया में है रंग-बिरंगे किरदार

रंगमंच की खूबसूरती इसी में है कि यह केवल कल्पना पर आधारित नहीं होता, बल्कि यह समाज में घटित घटनाओं, मानव भावनाओं और जीवन के संघर्षों को प्रभावी ढंग से दर्शकों के सामने प्रस्तुत करता है। सारा संसार एक रंगमंच है और सभी स्त्री-पुरुष केवल इसके अभिनेता हैं। वे आते हैं और चले जाते हैं, और हर एक को अपने जीवन में कई भूमिकाएँ निभानी पड़ती हैं।ठ विलियम शेक्सपियर का यह प्रसिद्ध कथन जीवन और रंगमंच के बीच की समानता को दर्शाता है। 27 मार्च को विश्वभर में अंतरराष्ट्रीय रंगमंच दिवस मनाया जाता है, जो न केवल रंगकर्मियों के योगदान को सम्मानित करने का अवसर देता है बल्कि इस विधा की सामाजिक और सांस्कृतिक महत्ता को भी रेखांकित करता है। रंगमंच केवल एक कला नहीं, बल्कि जीवन का सार है। यह हमें यह समझने में मदद करता है कि हम सभी इस महान नाटक के हिस्से हैं, और हमारा उद्देश्य केवल व्यक्तिगत उपलब्धियां हासिल करना नहीं, बल्कि समाज में एक सार्थक योगदान देना भी है। इसलिए, इस रंगमंच दिवस पर, आइए हम यह संकल्प लें कि हम अपने किरदार को बेहतर बनाएंगे, समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझेंगे और इस रंगमंच को और अधिक सुंदर बनाएंगे। रंगमंच केवल मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि यह समाज का आईना भी है। जिस प्रकार एक दर्पण हमारी छवि को स्पष्ट रूप से दिखाता है, उसी तरह रंगमंच हमारे समाज की वास्तविकताओं को उजागर करता है। मंच पर प्रस्तुत हर कहानी, हर संवाद, और हर अभिनय हमारे जीवन की किसी न किसी सच्चाई को प्रतिबिंबित करता है। रंगमंच की खूबसूरती इसी में है कि यह केवल कल्पना पर आधारित नहीं होता, बल्कि यह समाज में घटित घटनाओं, मानव भावनाओं और जीवन के संघर्षों को प्रभावी ढंग से दर्शकों के सामने प्रस्तुत करता है। प्राचीन काल से ही नाटक समाज के उत्थान और जागरूकता का माध्यम रहा है। चाहे वह भारत का लोकनाट्य हो, ग्रीक ट्रैजेडी और कॉमेडी हो, या फिर आधुनिक थिएटर ड्रामा, सभी का एक ही उद्देश्य होता है–समाज को जागरूक करना, उसे नई दृष्टि देना और उसमें सुधार लाना।रंगमंच सामाजिक समस्याओं को उजागर करने का एक प्रभावशाली माध्यम रहा है। बाल विवाह, जातिवाद, महिला सशक्तिकरण, भ्रष्टाचार, शिक्षा, युद्ध और गरीबी जैसे मुद्दों पर आधारित नाटक लोगों को न केवल जागरूक करते हैं, बल्कि उन्हें सोचने पर भी मजबूर कर देते हैं। भारत में गिरीश कर्नाड, विजय तेंदुलकर, हबीब तनवीर और बादल सरकार जैसे नाटककारों ने अपने नाटकों के माध्यम से सामाजिक और राजनीतिक व्यवस्थाओं पर गहरी चोट की है। व्यंग्य और हास्यः व्यंग्य से समाज की बुराइयों को उजागर करना रंगमंच की सबसे प्रभावी विशेषताओं में से एक है। नाटकों में व्यंग्यपूर्ण संवाद और हास्य के माध्यम से गंभीर मुद्दों को हल्के-फुल्के अंदाज़ में प्रस्तुत किया जाता है, जिससे दर्शक उसे सहजता से स्वीकार कर सकें। संघर्ष और क्रांतिः कई नाटकों ने सामाजिक बदलाव लाने में क्रांतिकारी भूमिका निभाई है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान भी थिएटर का उपयोग ब्रिटिश शासन के खिलाफ जनजागरण के लिए किया गया था। इस प्रकार, रंगमंच समाज की विचारधाराओं, उसकी अच्छाइयों और बुराइयों का प्रतिबिंब है, जो न केवल हमें सोचने पर मजबूर करता है बल्कि हमें अपनी जिम्मेदारियों का भी अहसास कराता है।शेक्सपियर ने जब कहा, ठैंत्त् ूप"देर्ं ुा, र्ह् त्त् ूप सर्ह्है दसह सीत्ब् ज्र्बे.ठ (सारा संसार एक रंगमंच है, और सभी स्त्री-पुरुष केवल इसके अभिनेता हैं), तो उन्होंने न केवल एक दार्शनिक सत्य को व्यक्त किया बल्कि हमारे जीवन के स्वरूप को भी स्पष्ट किया।हम सभी इस रंगमंच पर विभिन्न किरदार निभाते हैं। कोई नायक होता है, कोई खलनायक; कोई विदूषक होता है, तो कोई विचारक। हम अपने जीवन के अलग-अलग चरणों में भिन्न-भिन्न भूमिकाएं निभाते हैं:- जैसे एक नाटक में एक पात्र का आगमन और प्रस्थान होता है, वैसे ही जीवन में भी जन्म और मृत्यु का चक्र चलता रहता है। हर व्यक्ति अपनी निर्धारित भूमिका निभाकर इस मंच से विदा ले लेता है। लेकिन, सवाल यह उठता है कि हम इस रंगमंच पर अपनी भूमिका कितनी ईमानदारी और समर्पण से निभाते है।

इस मौसम में कुछ ऐसा है जो बेचैन कर देता है, गर्मी को अपनाएंगे तो ही मिलेगी शीतलता

तपस शब्द मूलतः तप शब्द से बना है, जिसका अर्थ है गर्मी, चमक या तीव्रता। यह मात्र शारीरिक तपस्या के बारे में नहीं है। यह अग्नि है जो परिष्कृत करती है। यह अनुशासन है जो मजबूत बनाता है। यह बेचैनी है जो परिवर्तन की ओर ले जाती है। ऋषिगण यह जानते थे। वे जंगलों, गुफाओं, सूखी नदियों के किनारों की तलाश करते थे-ऐसे स्थान जहां गर्मी उन्हें भ्रम से मुक्त कर सके, जहां मौन उन्हें उनका अपना मन दिखा सके। अर्थात, यह 'आत्मा' सत्य से, आत्म-संयम (तप) से, सम्पूर्ण एवं सम्यक् ज्ञान से लभ्य है। अपने चारों ओर देखें। पृथ्वी तप में है। नदियां सिकुड़ जाती हैं। वृक्ष ऊर्जा को संरक्षित करने के लिए पत्ते गिरा देते हैं। पशु धीमी गति से चलते हैं, छाया में आराम करते हैं। सभी अनावश्यक चीजें समाप्त हो जाती हैं। और क्या ऐसा ही नहीं होता है जब हम इस आध्यात्मिक मार्ग पर चलते हैं? आधुनिक जीवन हमें असुविधा से दूर रखता है। एयर कंडीशनिंग, कोल्ड ड्रिंक, तुरंत राहत- हम गर्मी महसूस होते ही इससे बच जाते हैं। लेकिन, प्रकृति ऐसा नहीं करती। यह सहती है और सहने में, यह रूपांतरित होती है। तप सहन करने के बारे में है, लेकिन पीड़ा के लिए नहीं। यह आग से गुजरने और हल्का, स्पष्ट, मजबूत होने का एक सचेत विकल्प है। यह वही है जो कच्चे सोने को शुद्ध धातु में बदल देता है। यह वही है जो एक साधारण व्यक्ति को कुछ महान बनाता है। श्री कृष्ण भगवद गीता में कहते हैं कि शरीर का तप है- सरलता, संयम, और अहिंसा। वाणी का तप है- सत्य, सौम्यता, और उत्थान करने वाले शब्द। मन का तप है-शांति, मौन, और आत्म-नियंत्रण। अर्थात, शरीर कि तपस्या को ही तप कहते हैं। किन्तु आज की दुनिया में इसका क्या अर्थ है? हम ध्यान के लिए पेड़ों के नीचे नहीं बैठे हैं। हम हिमालय में सत्य की खोज के लिए सब कुछ त्याग नहीं रहे हैं। और फिर भी, तप की आवश्यकता पहले से कहीं ज़्यादा है। इस प्रकार, जीवन में विकर्षणों के बारे में सोचें। अंतहीन सूचनाएं, बिना सोचे-समझे सोशल मीडिया की फीड स्क्रॉल करना, बिना भूख के खाया जाने वाला भोजन, बिना सोचे-समझे बोले जाने वाले शब्द! मन एक वस्तु से दूसरी वस्तु की आकांक्षा के लिए आतुर रहता है। यह वैसा ही है जैसे बिना नियंत्रण के अग्नि। तप अनुशासन है। यह असुविधा को स्वीकारने और उसी से बचने की क्षमता है। जब मन गति की मांग करता है तो स्थिर रहना- यही तप है। मनोविज्ञान में इसे विलंबित संतुष्टि यानि 'डिलेड ग्रैटीफिकेशन' कहा जाता है। भविष्य में प्राप्त होने वाली किसी बड़ी खुशी के लिए तत्काल आनंद का विरोध करने की क्षमता। वॉल्टर मिशेल द्वारा प्रसिद्ध 'मार्शमैलो प्रयोग' ने इसका परीक्षण किया। छोटे बच्चों को एक विकल्प दिया गया- अभी एक मार्शमैलो खाओ या प्रतीक्षा करो और बाद में दो लो। जो प्रतीक्षा करते रहे वे बड़े होकर अधिक सफल, अधिक केंद्रित, अपने जीवन पर अधिक नियंत्रण रखने वाले बने। तपस इसी प्रतीक्षा को कहते हैं। आवेग पर महारत हासिल करना। लेकिन, तपस केवल नियंत्रण के बारे में नहीं है। यह 'आंतरिक अग्नि' पर भी निर्भर है। क्षणभंगुर सुखों से कहीं अधिक गहरी किसी चीज के लिए जुनून। यह वह छात्र है जो पढ़ता है जबकि दूसरे छात्र मस्ती करते हैं। वह एथलीट जो गर्मी में प्रशिक्षण लेता है जबकि दूसरे आराम करते हैं। वह कलाकार जो एक ही चित्र को पूरा करने के लिए देर रात तक काम करता है। यह सत्य की, विकास की, आराम से परे किसी लक्ष्य प्राप्ति कि आस है। जिसने लय को स्पर्श कर लिया, वह संसार में शांति के साथ अग्रसर होता है, उसे कुछ परेशान नहीं करता रमण महर्षि ने कभी किसी को दुनिया छोड़ने के लिए नहीं कहा, लेकिन उन्होंने उन्हें 'देखने' के लिए कहा। मन को देखने के लिए, उसकी चालों, उसके भ्रमों का निरीक्षण करने के लिए। जागरूकता की आग में शांत बैठना और अनावश्यक को जलने देना। इसी प्रकार, कृष्णमूर्ति ने कहा, 'अनुशासन एक तथ्य है, आदर्श नहीं'। आप तप को जिद से नहीं कर सकते। आप इसकी आवश्यकता को देखते हैं। जिस क्षण आप इसे देखते हैं, यह वहां होता है - जैसे दो पत्थरों के टकराने से आग प्रकट होती है। लेकिन, जब आग बहुत अधिक जलती है तो क्या होता है? यह नष्ट कर देती है। बहुत अधिक तप व्यक्ति को कठोर, शुष्क बना सकता है। यही कारण है कि श्री कृष्ण भी तामसिक तप के विरुद्ध चेतावनी देते हैं - अभिमान, अहंकार, दंड के लिए की जाने वाली तपस्या। तप आत्म-यातना नहीं है। यह इनकार के लिए इनकार नहीं है। यह ज्ञान के साथ शुद्धिकरण है। सत्य तो यह है कि ग्रीष्म ऋतु केवल गर्मी के बारे में नहीं है। यह बारिश से पहले का मौसम भी है। मानसून की पहली बूंद के जमीन पर गिरने से पहले, धरती गर्म होगी ही। धूल उठेगी ही। झीलों में पानी कम होगा ही। केवल तभी, जब सब कुछ कच्चा और खुला हो, बारिश आती है। और जब यह आती है तो धरती विरोध नहीं करती। यह अवशोषित करती है। यही तप का रहस्य है। यह कष्ट सहने के बारे में नहीं है। यह तैयारी के बारे में है। यह किसी अद्भुत अनुभव के लिए जगह बनाने के बारे में है। जब हम उपवास करते हैं, तो हम शरीर को नए तरीके से ऊर्जा प्राप्त करने के लिए खाली कर देते हैं। जब हम मौन में बैठते हैं तो हम सत्य को अधिक स्पष्ट रूप से सुनने के लिए मन को साफ करते हैं। जब हम इंद्रियों को अनुशासित करते हैं तो हम उनसे परे समझने के लिए दरवाजे खोलते हैं। समवाय की सामाजिक और राजनीतिक अभिव्यक्ति का प्रतिनिधित्व करता है गणतंत्र दिवस, एकता का भी प्रतीक इस प्रकार, तप केवल संतों के लिए नहीं है। यह हर उस व्यक्ति के जीवन में है जो आराम के बजाय विकास को चुनता है। वह मां जो अपने बच्चे की देखभाल करने के लिए सुबह होने से पहले उठती है। वह सैनिक जो सीमा की रक्षा के लिए भीषण गर्मी में खड़ा रहता है। वह वैज्ञानिक जो बिना किसी पहचान के वर्षों तक काम करता है। वह साधक जो पुरस्कार के लिए नहीं, बल्कि सत्य के लिए ध्यान में बैठता है। इस गर्मी में, जब सूरज ऊपर से चमक रहा हो तो अपने अंदर की गर्मी को महसूस करें। ध्यान दें कि मन कैसे भागना चाहता है। देखें कि वह कहां भागता है, उसे क्या चाहिए। और फिर, भागने के बजाय रुकें। उसे शुद्ध होने दें। उसे तैयार होने दें। हो सकता है कि मानसून कि तरह ही आपके लिए भी कुछ अद्भुत प्रतीक्षा कर रहा है। और यह तभी आता है जब हम ग्रहण करने के लिए तैयार होते हैं मौसम बदल रहा है और हवा गर्म हो रही है। सड़कें अब धूप में चमकने लगी हैं। दिन लंबे होते जा रहे हैं और धरती बारिश की आस लगाने लगी है। इस मौसम में कुछ ऐसा है जो हमें बेचैन कर देता है। शरीर पसीना बहाता है। मन विचलित रहने लगता है। कभी-कभी व्याकुलता भी होने लगती है। सूरज की अथक किरणों के नीचे सब कुछ उजला, लेकिन झुलसा देने वाला लगता है। लेकिन, क्या यही 'तपस' नहीं है? अर्थात गर्मी में जलना। शुद्धिकरण। अग्नि परीक्षा। निश्चित ही, यह अध्यात्मिक प्रतीत होता है।

रुपहले पर्दे पर आकार लेती धूमिल इतिहास की स्वर्णिम कहानी

आज की नई पीढ़ी शायद कल्पना भी नहीं कर सकती कि कैसे समूची उज्जयिनी नगरी दुल्हन की तरह सज-धज गई थी, अपने निज विक्रम के स्वागत के लिए। पूरा नगर रंग-बिरंगी पताकाओं से सुसज्जित था, जिन पर पराक्रमी विक्रम का चित्र अंकित था। वहीं, नवरत्नों के जो चित्र आज प्रचलन में हैं, वे भी रविशंकर रावल की रचनाएं हैं। समय के साथ उनकी अनेक प्रतिकृतियाँ बाजार में आ गईं, जिससे लोग नकल को ही असल समझने लगे। देशभर में घूम-घूमकर विद्वानों से विक्रम, कालिदास और उज्जयिनी पर शोध लेख लिखवाए गए। इनमें महापंडित राहुल सांस्कृत्यायन, डॉ. भगवत शरण उपाध्याय, वी. वी. मीराशी, वासुदेव शरण अग्रवाल, डी. सी. मजूमदार जैसे महान नाम शामिल थे। मैथिली शरण गुप्त ने अपने हस्तलिखित पंक्तियों में लिखा ये पंक्तियां विक्रम स्मृति ग्रंथ में व्यासजी ने प्रमुखता से प्रकाशित कीं। व्यासजी के अनुरोध पर रवींद्रनाथ टैगोर ने भी 'उज्जयिनी' कविता लिखी थी और नागार्जुन ने भावपूर्ण रचना 'कालिदास सच-सच बतलाना, अज रोया था या तुम रोए थे?' लिखी। विक्रम स्मृति ग्रंथ की तैयारी का एक दिलचस्प किस्सा डॉ. शिव मंगल सिंह सुमन सुनाते थे। उस समय वे ग्वालियर के क्वींस विक्टोरिया कॉलेज में थे और महापंडित राहुल जी वहां पधारे थे। व्यासजी विक्रमादित्य फिल्म के सेट से सीधे दिल्ली होते हुए ग्वालियर आए और राहुल जी को बोले, ठविक्रम पर आपका लेख लिए बिना नहीं जाऊंगा।ठ डॉ. सुमन बताते थे कि राहुल जी हॉस्टल के बरामदे में गमछा मुंह पर ओढ़कर बैठ गए और बोले, ठमैं बोलता हूं, सुमन लिखेगा।ठ और यूं दो घंटे में 'त्रिविक्रम!' लेख तैयार हो गया। व्यासजी विक्रम महोत्सव और कालिदास समारोह के लिए अपने खाने-पीने की परवाह किए बिना देशभर में दौड़ते फिरते थे।

विक्रमादित्य फिल्म की अनोखी कहानी विक्रमादित्य फिल्म की कथा भी बेहद दिलचस्प है। पृथ्वीराज कपूर ने विक्रमादित्य की भूमिका निभाई। यह धारणा कि वे मुगल-ए-आजम के सेट से अकबर के भेस में बाहर जाकर प्रजा का हाल-चाल लेते थे, वास्तव में विक्रमादित्य की कहानी पर आधारित है। विक्रमादित्य अक्सर अपनी प्रजा का हाल जानने के लिए सामान्य वेश में निकल पड़ते थे। बादशाह अकबर ने भी विक्रमादित्य की कई अच्छी नीतियों को अपनाया। जैसे, विक्रमादित्य ने विक्रम संवत् की शुरुआत की, जो समय के साथ लोग भूल चुके थे। पंडित व्यासजी के प्रयासों से इसे पुनर्जीवित किया गया। अकबर ने भी इसी तर्ज पर दिन-ए-इलाही संवत् शुरू किया, लेकिन वह प्रचलित नहीं हो सका। विक्रमादित्य के नवरत्नों की तर्ज पर अकबर ने भी तानसेन, बीरबल और टोडर मल जैसे नवरत्नों को अपने दरबार में स्थान दिया। पृथ्वीराज कपूर का योगदान विक्रमादित्य फिल्म में अभिनय करने के बदले पृथ्वीराज कपूर ने व्यासजी की मित्रता के कारण कोई पारिश्रमिक नहीं लिया। जब पंडित सूर्यनारायण व्यास को साहित्य, शिक्षा और संस्कृति में योगदान के लिए 'पद्मभूषण' सम्मान मिला, तो उन्हें राज्यसभा के लिए भी नामांकित करने की पेशकश की गई। व्यासजी ने विनम्रता से यह सम्मान लेने के बजाय पृथ्वीराज कपूर को नामित करने की सिफारिश की। उनकी इस सिफारिश को मानते हुए पृथ्वीराज कपूर को राज्यसभा में ससम्मान स्थान मिला। विक्रम महोत्सव का यह स्वर्णिम इतिहास आज भी प्रेरणादायक है, जो उज्जयिनी की सांस्कृतिक समृद्धि और गौरवशाली परंपरा को दर्शाता है। विक्रम के ये प्रसिद्ध चित्र महान चित्रकार कनुभाई देसाई और रविशंकर रावल ने व्यासजी के गहन विचार-विमर्श के बाद तैयार किए थे। आज भी उनके मूल चित्र सुरक्षित हैं। यही चित्र बाद के समय में विक्रम का मुखपृष्ठ और संपादकीय पृष्ठ का प्रतीक बना।

मानव छीन रहा मादा चीता के मुंह से शिकार, प्रकृति के नियमों से हो रही छेड़छाड़

क्या मानव को प्रकृति में बाधक बना चाहिए? क्या वन्य जीवों के जीवन में व्यवधान पैदा करना चाहिए? संभवतः सभी का उत्तर नहीं होगा, लेकिन मानव वन्य जीवों के जीवन में निरंतर व्यवधान पैदा कर रहे हैं। ताजा उदाहरण मध्य प्रदेश के श्योपुर में कूनो नेशनल पार्क का है, जहां ग्रामीणों ने मादा चीता ज्वाला को दो बार शिकार करने से रोका। मादा चीता अपने चार शावकों को लेकर निकली थी हालांकि कुछ लोग यह बेतुका तर्क दे सकते हैं कि ग्रामीणों ने दो पालतू जानवरों की जान बचाई, लेकिन यदि शिकार न मिलने के कारण भूख से मादा चीता और उसके शावक मर जाएं तो उसका दोषी कौन होगा? वैसे भी चीता के लिए शिकार पकड़ना आसान नहीं होता है। कुछ साल पहले उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में एक सड़क पर अजगर ने एक हिरण को जकड़ लिया था। एक युवा ने झाड़ी मार-मारकर अजगर को हिरण छोड़ने के लिए विवश कर दिया था। तब भी एक बहस चली थी कि क्या हमें प्रकृति और वन्यजीवों के साथ छेड़छाड़ करनी चाहिए? अजगर भी उन प्राणियों में शामिल है, जिसे बेहद मुश्किल से शिकार मिलता है, लेकिन अक्सर सोशल मीडिया पर हम ऐसे वीडियो देखते हैं, जहां अजगर को पकड़ कर उसके शिकार को पेट से बाहर तक निकाल दिया जाता है। कूनो नेशनल पार्क में भारत सरकार का एक बहुत ही महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट चीता चल रहा है। अफ्रीका से लाकर यहां पर चीते छोड़े गए हैं। भारत सरकार की कोशिश है कि देश में साल 1948 में ही विलुप्त हो चुके इस दुर्लभ जीव को पुनर्स्थापित किया जाए, लेकिन क्या हम ऐसा होने देने के इच्छुक हैं श्योपुर की घटना को ही लें। मादा चीता ज्वाला अपने चार शावकों के साथ कूनो नेशनल पार्क से निकलकर 30 किलोमीटर दूर वीरपुर क्षेत्र में पहुंच गई थी। वहां पर उसने एक बार बछड़े को दबोचा तो दूसरी बार भैंस के पाड़े को पकड़ने का प्रयास किया। दोनों बार ग्रामीणों ने लाठियों के बल पर मादा चीता ज्वाला को विवश किया कि वो शिकार को छोड़कर भाग जाए। ग्रामीणों ने इतना शोर मचाया कि मादा चीता और शावकों को लेकर जंगल में भागना पड़ा। हद तो यह थी कि कुछ ग्रामीणों ने वन्यजीवों पर पथराव तक कर दिया। कूनो नेशनल पार्क से जुड़े वन्य अधिकारियों का स्पष्ट कहना है कि चीता कभी मानव पर हमला नहीं करता है। फिर भी श्योपुर में लोग न जाने क्यों घबराए हुए हैं? लगता है, उन्हें यह तथ्य पता नहीं है। वो तो गनीमत रही कि मादा चीता और शावकों को ग्रामीण ने लाठी-डंडों से मार नहीं डाला। मानव और वन्यजीवों का द्वंद्व नया नहीं है। यह आदिकाल से चला रहा है। अब तो स्थिति यह हो गई है कि हमने जंगल खत्म कर डाले हैं। वन्यजीवों को बचाने के लिए सरकार को जंगल बनाने पड़ रहे हैं। इन जंगलों में भी मानव का हस्तक्षेप खत्म नहीं हो रहा है। जंगल में वन्यजीवों को शिकार नहीं मिलता तो वो मानव बस्तियों में आ जाते हैं। हम भले वन्यजीवों से किसी शिकार को छुड़ाकर स्वयं को गौरवान्वित महसूस करें, लेकिन उस वन्यजीव का भी सोचिए, जिसको भोजन से वंचित किया गया है। विशेष कर यदि वन्यजीव मांसाहारी है तो उसे भोजन कहां से मिलेगा? वन्यजीव से शिकार को छुड़ाकर मानव कोई उपकार या पुण्य का कार्य तो कर नहीं रहा है, बल्कि वो प्रकृति के नियम को तोड़ रहा है। देश में वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर कानून बने हुए हैं, जिनमें सजा का प्रावधान है, लेकिन वन्यजीवों से शिकार छुड़ाने का जिक्र अभी कानून में नहीं है। सरकार को कानून में संशोधन कर इस विषय को भी जोड़ना चाहिए। साथ ही, सरकार को जन-जागरूकता निरंतर लाने की आवश्यकता है। पाठ्यक्रम में शुरुआत से वन्यजीवों को लेकर पढ़ाया जाए और बच्चों को यह सिखाया जाए कि प्रकृति वन्यजीवों के बिना अधूरी है। फिर चीता तो एक दुर्लभ वन्यजीव है।

पूरी दुनिया में इनकी संख्या 7000 के करीब ही बची है। भारत में तो यह 77 साल पहले ही समाप्त हो गए थे। एक बार पुनः इन्हें भारत में स्थापित करने के प्रयास हो रहे हैं, लेकिन जो घटना श्योपुर में हुई है, वो चिंताजनक है। सरकार को ऐसी घटनाओं को लेकर सख्त कदम उठाने चाहिए, ताकि मानव वन्य जीवों के लिए जीवन में व्यवधान पैदा कर सके। क्या मानव को प्रकृति में बाधक बना चाहिए? क्या वन्य जीवों के जीवन में व्यवधान पैदा करना चाहिए? संभवतः सभी का उत्तर नहीं होगा, लेकिन मानव वन्य जीवों के जीवन में निरंतर व्यवधान पैदा कर रहे हैं।

श्रम बंधु बैठक में प्रदेश सरकार द्वारा श्रमिक वर्ग की उपेक्षा के मुद्दे को सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा ने किया रेखांकित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। योगी सरकार के 8 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आज सेक्टर- 33, नोएडा हॉट में

जिलाधिकारी गौतम बुध नगर की अध्यक्षता में श्रम बंधु की बैठक आयोजित की गई बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी महोदय द्वारा सरकार की 8 वर्ष के उपलब्धियां को रेखांकित किया। बैठक में उक्त मुद्दे पर बोलते हुए मजदूर संगठन सीटू गौतम बुध नगर के जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा ने कहा कि सरकार की निश्चित रूप से कुछ उपलब्धियां हो सकती हैं लेकिन योगी सरकार के 8 साल के कार्यकाल में श्रमिकों की घोर उपेक्षा की गई है और श्रमिक उत्पीड़न व उनकी परेशानियों और बड़ी है, वर्ष 2014 के बाद से प्रदेश सरकार ने मजदूरों के वेतन का पुनरीक्षण नहीं किया है जबकि कई राज्यों में वेतन बढ़ोतरी की गई है, दिल्ली के मजदूरों का आज न्यूनतम वेतन ?19000 के आसपास है वही दिल्ली से सटे नोएडा उत्तर प्रदेश के मजदूरों का न्यूनतम वेतन मात्र ?10700 है क्या इतने कम वेतन में एक मजदूर अपनी जीविका चला सकता है, उन्होंने मांग करते हुए कहा कि न्यूनतम वेतन कम से कम ?26000 प्रदेश सरकार घोषित करें। साथ ही उन्होंने श्रम कार्यालय व श्रम न्यायालय के कार्यालय में पर्याप्त स्थान का ना होने, अधिकारी व स्टाफ की कमी के कारण श्रमिकों और उद्योगपतियों को हो रही परेशानी को रेखांकित करते हुए उन्होंने मांग किया कि श्रम विभाग और श्रम न्यायालय के कार्यालय का स्थाई निर्माण किया जाए साथ ही कर्मचारियों की कमी को पूरा किया जाए। साथ ही उन्होंने श्रमिकों के आवास की ज्वलंत समस्या पर बोलते हुए कहा कि आज तक प्रदेश सरकार व नोएडा प्राधिकरण द्वारा श्रमिकों के लिए कोई व्यापक स्कीम लॉन्च नहीं की गई है, उन्होंने मांग किया कि श्रमिकों के न्यूनतम वेतन को ध्यान में रखते हुए श्रमिकों के लिए सस्ते आवास बनाकर दिए जाएं। बैठक में सीटू जिला महासचिव रामसागर, एक्टू नेता अमर सिंह सहित के श्रमिक नेताओं ने बैठक में हिस्सा लिया। बैठक में श्रम विभाग व अन्य सरकारी विभागों के अधिकारी गण और उद्योगपतियों/ व्यापारियों के संगठनों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

दंपती और नौकर को बंधक बनाकर पीटा; लाखों का माल लेकर मालिक की कार से बदमाश फरार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
लखनऊ। बदमाशों ने फॉर्म हाउस में घुसकर लूटपाट की वारदात को

अंजाम दिया। दंपती और नौकर को बंधक बनाकर पीटा। असलहा दिखाकर लाखों के जेवरात और नकदी लूटकर मालिक की ही कार से फरार हो गए। पुलिस बदमाशों की तलाश में जुटी है। यूपी के बाराबंकी में बुधवार रात बदमाशों ने एक फार्म हाउस में धावा बोला। मालिक, उनकी पत्नी और नौकर को बंधक बनाकर पीटा। असलहा दिखाकर दंपती को धमकाया। इसके बाद तीन लाख रुपये नकद, जेवर और अन्य कीमती सामान लूटकर दंपती की ही कार से फरार हो गए। बदमाश अपने साथ सीसीटीवी की डीवीआर भी ले गए। घटना रामनगर थाना क्षेत्र के जुरौंडा गांव की है। सूचना पर कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। एसपी दिनेश कुमार सिंह ने भी घटनास्थल का निरीक्षण करके जानकारी ली। पुलिस ने डॉग स्क्वायड व फोरेंसिक टीम के साथ निरीक्षण करके साक्ष्य जुटाए। वारदात में किसी जानकार व्यक्ति के शामिल होने की आशंका जताई जा रही है। हमले में फार्म हाउस के मालिक बाबूलाल (50) (जो मूल रूप से बस्ती के रहने वाले हैं) और बिहार निवासी नौकर अजय (45) गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को पहले जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां हालत गंभीर देखते हुए केजीएमयू लखनऊ के लिए रेफर कर दिया गया।घटना के दौरान फार्म हाउस मालिक की पत्नी खुशी (35) ने आरोप लगाया कि बदमाशों ने लूटपाट के दौरान उनके साथ छेड़छाड़ भी करने की कोशिश की। बदमाशों से बचने के लिए उन्होंने किसी तरह खुद को एक कमरे में बंदकर अपनी इज्जत और जान बचाई। बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगी हुई है।

प्रदेश में अगर हिंदू सुरक्षित हैं, तो मुसलमान भी सुरक्षित होगा, संभल में 54 हिंदू तीर्थ खोजे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
लखनऊ। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक न्यूज एजेंसी को दिए गए इंटरव्यू में कहा है कि प्रदेश में मुसलमान पूरी तरह से सुरक्षित है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भरोसा दिलाया है मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें खुद के चपेट में आने से पहले सतर्क हो जाना चाहिए। यूपी में मुसलमान सबसे सुरक्षित हैं। पहले यूपी में दंगे हो रहे थे। अगर हिंदू की दुकान जल रही थी, तो मुस्लिम भी चपेट में आए। प्रदेश में बीजेपी के सत्ता हो जाता है। क्या मुसलमान रंगीन कपड़े नहीं पहनते हैं। अगर आप पर रंग पड़ जाता है, तो आप समस्या पैदा करते हैं। दोहरे मापदंड क्यों हैं। कई मुसलमानों ने हमारे साथ होली खेली है। एक दूसरे से गले

कि राज्य में सभी धर्मों के लोग सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि एक योगी होने के नाते, वह सभी के सुख की कामना करते हैं। न्यूज एजेंसी एएनआई को दिए एक साक्षात्कार में सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश में अगर हिंदू सुरक्षित हैं, तो मुसलमान भी सुरक्षित हैं।सीएम योगी ने कहा कि एक मुस्लिम परिवार सैकड़ों हिंदू परिवारों के बीच खुद को सुरक्षित महसूस करता है। उन्हें अपनी धार्मिक मान्यताओं का पालन करने की पूरी स्वतंत्रता होती है। वहीं, उन्होंने सवाल उठाया कि क्या 50 हिंदू परिवार 100 मुस्लिम परिवारों के बीच सुरक्षित रह सकता है?... नहीं। बांग्लादेश और इससे पहले पाकिस्तान इसका उदाहरण था। अफगानिस्तान में क्या हुआ में आने के बाद से सांप्रदायिक दंगे बंद हो गए हैं।योगी ने एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के मुसलमान खतरे में हैं वाले बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि यूपी में मुसलमान खतरे में नहीं हैं। इनकी वोट बैंक की राजनीति खतरे में है। जिस दिन भारतीय मुसलमान अपने पूर्वजों को समझ लेंगे, इन सभी को बोरिया-बिस्तर बांधकर भागना पड़ेगा।संभल में तिरपाल से ढकी मस्जिदों के बारे में कहा कि अगर आप रंगों से खेल रहे हैं, तो संभव है कि यह किसी पर भी पड़ सकता है। लेकिन, इससे किसी की पहचान खराब नहीं होती है। मुहर्रम के दौरान जुलूस निकलते हैं। क्या उनके झंडे की छाया किसी हिंदू घर या हिंदू मंदिर के पास नहीं पड़ती है। क्या इससे घर अपवित्र मिले हैं।योगी ने कहा कि संभल में 64 तीर्थ स्थल हैं, हमने उनमें से 54 को खोज लिया है। जो बचे हैं, उसे भी खोज निकालेंगे। दुनिया को दिखाएंगे कि संभल में क्या हुआ था। संभल एक सच्चाई है। आपको पूजा-पाठ की पूरी स्वतंत्रता है, आप कहीं भी मस्जिद बना सकते हैं। लेकिन, आप इस्लाम के सिद्धांतों से भटक गए हैं। इस्लाम कहता है कि किसी हिंदू मंदिर, किसी हिंदू घर या किसी अन्य पूजा स्थल का निर्माण खुदा द्वारा स्वीकार नहीं किया जाता, तो आपने इन्हें क्यों बनाया। आप खुद इस्लाम के खिलाफ कार्य कर रहे हैं। हम कानून के दायरे में रहकर काम कर रहे हैं।

एवियर कॉलेज में छात्रों को मिली नई जिम्मेदारी, बनाए गए क्लब अध्यक्ष और उपाध्यक्ष

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। नोएडा सेक्टर 62 स्थित एवियर कॉलेज ऑफ हायर एजुकेशन में भव्य अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में विभिन्न छात्र क्लबों के नए अध्यक्षों और उपाध्यक्षों को आधिकारिक रूप से पदभार सौंपा गया। समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. डॉ. अल्फ़रोज़ुल हक़ ने छात्रों को प्रेरणादायक संदेश दिया और उन्हें आत्मनिर्भरता, ज्ञान और ज़िम्मेदारी का महत्व समझाया। कार्यकारी निदेशक अमरेश सिंह ने सभी नव-नियुक्त छात्र नेताओं को शुभकामनाएं दीं और उन्हें अपने कर्तव्यों को निष्ठा व ईमानदारी से निभाने के लिए प्रेरित किया। समारोह में नव नियुक्त छात्र अध्यक्षों की घोषणा की गई, जिनमें कर्तव्य क्लब में हरिओम यादव एवं तान्या, द टेक पायनियर्स क्लब में हर्ष श्रीवास्तव एवं कनिका, आरोग्यम क्लब में गीतांजलि प्रिया, द पिच परफेक्ट क्लब में दिशा ओरांव एवं अमन चौहान, द मीडिया मैवरिक्स क्लब में भूमि दुबे, रंग तरंग क्लब में प्रतीक शाही एवं मुस्कान कुमारी और द एवियर वॉरियर्स क्लब में अनुज कुमार एवं भारती यादव शामिल हैं। समारोह का समापन शपथ ग्रहण समारोह के साथ हुआ, जिसमें छात्रों ने अपनी ज़िम्मेदारियों को पूरी निष्ठा से निभाने की प्रतिज्ञा ली।

भारत ने किया स्वदेशी मिसाइल का सफल परीक्षण, नौसेना को रक्षा क्षेत्र में मिलेगी नई ताकत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारतीय नौसेना को रक्षा के क्षेत्र में और ताकतवर बनाने के लिए आज भारत ने स्वदेशी रूप से विकसित वर्टिकल-लॉन्च्ड शॉर्ट-रेंज सरफेस-टू-एयर मिसाइल का सफल परीक्षण किया। ये परीक्षण भारतीय नौसेना

और डीआरडीओ के द्वारा किया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस परीक्षण में शामिल सभी एजेंसियों को बधाई भी दी है। भारत ने बुधवार को ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) से स्वदेशी रूप से विकसित वर्टिकल-लॉन्च्ड शॉर्ट-रेंज सरफेस-टू-एयर मिसाइल (वीएलएसआरएसएएम) का सफल परीक्षण किया। यह परीक्षण रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और भारतीय नौसेना द्वारा किया गया। परीक्षण में मिसाइल ने भूमि-आधारित वर्टिकल लॉन्चर से एक उच्च गति वाले हवाई लक्ष्य को बहुत नजदीकी रेंज और कम ऊंचाई पर नष्ट किया। इस उड़ान परीक्षण के दौरान, मिसाइल ने लक्ष्य को पूरी तरह से नष्ट करने के लिए आवश्यक उच्च गति और चपलता का प्रदर्शन किया। मिसाइल प्रणाली के परीक्षण में स्वदेशी रेडियो फ्रीक्वेंसी सीकर, मल्टी-फंक्शन रडार और हथियार नियंत्रण प्रणाली जैसे तत्वों का भी इस्तेमाल किया गया, जो अपने कार्यों में पूरी तरह से सफल रहे। आईटीआर द्वारा विभिन्न रेंज इंस्ट्रूमेंट्स द्वारा कैप्चर किए गए उड़ान डेटा से परीक्षण के प्रदर्शन की पुष्टि की गई। भारत द्वारा इस सफल परीक्षण पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ, भारतीय नौसेना और अन्य संबंधित टीमों को बधाई दी। उन्होंने इसे भारत की मजबूत रक्षा अनुसंधान और विकास क्षमताओं का उदाहरण बताया। साथ ही कहा कि यह भारतीय नौसेना के लिए एक महत्वपूर्ण तकनीकी बढ़ावा होगा। साथ ही रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव डॉ समीर वी कामत ने भी इस सफल उड़ान परीक्षण के लिए सभी टीमों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह मिसाइल तकनीकी रूप से सशस्त्र बलों को मजबूत करेगी। गौरतलब है कि मिसाइल के परीक्षण से पहले, सुरक्षा कारणों से चांदीपुर के आसपास के छह गांवों के लगभग 3200 निवासियों को आश्रय केंद्रों में स्थानांतरित किया गया था।

भारतीय सेना को मिलेंगी नई ताकत, रक्षा मंत्रालय ने 6,900 करोड़ रुपये के अनुबंध पर किए हस्ताक्षर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने आज एडवांस टोड आर्टिलरी गन सिस्टम

और हाई मोबिलिटी गन टोइंग व्हीकल्स की खरीद के लिए 6,900 करोड़ रुपये के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। मंत्रालय के इस अनुबंधन से अब भारतीय सेना को एक नई ताकत मिलेंगी। साथ ही सेना की हथियारों और उपकरणों की क्षमता को और बढ़ावा मिलेगा। रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को भारत फोर्ज लिमिटेड और टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड के साथ दो महत्वपूर्ण अनुबंध किए हैं। इन अनुबंधों के तहत, एडवांस टोड आर्टिलरी गन सिस्टम (एटीएजीएस) और हाई मोबिलिटी गन टोइंग व्हीकल्स की खरीद की जाएगी, जिनकी कुल लागत लगभग 6,900 करोड़ रुपये है। रक्षा मंत्रालय के द्वारा जारी आधिकारिक बयान में बताया गया कि इन सौदों के साथ, चालू वित्त वर्ष में अब तक पूंजीगत खरीद के लिए मंत्रालय द्वारा 1.40 लाख करोड़ रुपये के अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इससे भारतीय सेना की हथियारों और उपकरणों की क्षमता को और बढ़ावा मिलेगा। मामले में रक्षा मंत्रालय ने आगे बताया कि 155 मिमी/52 कैलिबर एटीएजीएस तोप पुराने और छोटे कैलिबर की तोपों की जगह लेगी।

सीएम योगी ने 283 चिकित्सा अधिकारियों को सौंपे नियुक्ति पत्र, बोले- आठ साल में दी गईं 8.5 लाख नौकरी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
लखनऊ।सीएम योगी आदित्यनाथ ने आयुष विभाग के 283 चिकित्सा चिकित्सकों, तीन प्रोफेसर, 96 लैब टेक्नीशियन को पत्र दिया जा रहा है। इसके लिए आयोग को भी रही है। 45 दिन के आयोजन में दुनियाभर में प्रयागराज प्राइम न्यूज बनी। यह चीजें दिखाती हैं कि हम

अधिकारियों को नियुक्ति पत्र सौंपे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि आठ साल में 8.5 लाख नौकरी दी गई हैं। ये सभी सुचितापूर्ण तरीके से संपन्न हुईं। राजधानी लखनऊ में गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आयुष विभाग के 283 चिकित्सा अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इनका चयन उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग एवं उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा किया गया है। लोक भवन ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में आयुष मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु ने पुष्पगुच्छ देकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया।इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आठ वर्ष में साढ़े आठ लाख नौकरी दी गई हैं। ये पूरी तरह से सूचितापूर्ण हैं, अन्यथा मामला कोर्ट में हुआ। 163 बधाई। जिन्हें नियुक्ति पत्र मिल रहा है, उन्हें बधाई। उन्होंने कहा कि किसी भी युवा के लिए शासकीय नौकरी मिलना उसके सपने को उड़ान देने जैसा है। अभिभावकों, मित्रों ने जो सपना देखा वह पूरा हो रहा है। आठ वर्ष पहले यही आयोग भर्ती बोर्ड की क्या स्थिति थी किसी से छिपा नहीं है। अनेक याचिका लंबित थीं। हाईकोर्ट ने भी सरकार के कामकाज पर सवाल उठाया था। सीएम योगी ने आगे कहा कि विभागीय टेक्नोलॉजी से कामकाज को गति दिया जा सकता है। हमने महाकुंभ में यही किया। आयुष का अब नया मंत्रालय बन चुका है। हम योग को आगे बढ़ा रहे हैं। दुनिया के मन में योग को लेकर श्रद्धा भाव आया है। पहले भारत की विरासत को कुछ लोग कोसते थे, लेकिन अब दुनिया योग से जुड़ अपनी संस्कृति में रुचि दिखाते हैं तो दुनिया आतुर होती है। आयुष के जरिए हम आरोग्यता हासिल कर सकते हैं। इसके लिए सरकार ने कई कार्यक्रम चलाए हैं। इस मौके पर मंत्री दयाशंकर मिश्र ने कहा कि आयोग से चयनित 163 डॉक्टर प्रदेश की सेवा में आज से तत्पर हो रहे हैं। उम्मीद है कि आयुष विभाग प्राचीन परंपरा का निर्वहन करते हुए प्रदेश के विकास में सहभागी बनेगा। तीन नए आयुष के मेडिकल कॉलेज बन रहे हैं। लोगों को प्रकृति के अनुरूप जीने की कला सिखाई जा रही है। मंत्री ने कहा कि यूपी नवाचार के लिए जाना जाता है। काशी में प्रकृति चिकित्सा का केंद्र बन रहा है। उन्होंने कहा कि नवचयनित से अपील है कि उन्हें जिस सुचिता से नियुक्ति मिली है, उनका आगे के जीवन में पालन करें। अब सभी की मंजिल सिर्फ सेवा होनी चाहिए।

निर्वाण संस्था के चार बच्चों की मौत, 24 बच्चे अस्पताल में भर्ती डीएम और कमिश्नर ने जाना हाल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
लखनऊ। लखनऊ में तबीयत बिगड़ने से निर्वाण संस्था के चार मंगलवार को दो बालिकाओं की मौत हो गई। वहीं गुरुवार की सुबह एक और बच्चे की मौत हो गई। अन्य

बच्चों की मौत हो गई। जबकि 24 बच्चे अस्पताल में भर्ती कराए गए हैं। डीएम और कमिश्नर ने लोकबंधु अस्पताल पहुंचकर बच्चों की सेहत का हाल जाना। राजधानी लखनऊ में निर्वाण संस्था में बच्चों की तबीयत खराब होने से गुरुवार को एक और बच्चे की मौत हो गई। अस्पताल में भर्ती सूरज की इलाज के दौरान मौत हो गई। अब तक कुल चार बच्चों की जान जा चुकी है। सुबह मंडलायुक्त रोशन जैकब और डीएम विशाख जी ने लोकबंधु अस्पताल पहुंचकर बच्चों के स्वास्थ्य की जानकारी ली। मोहान रोड स्थित निर्वाण संस्था में चार दिन पहले 70 मानसिक मंदित बच्चों की तबीयत बिगड़ गई थी। आनन-फानन 24 बच्चों को लोकबंधु अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां सोमवार को एक बालक और का इलाज चल रहा है। छह बच्चों को डिस्चार्ज किया जा चुका है। बुधवार को भी जिलाधिकारी टीम के साथ संस्था पहुंचकर निरीक्षण किया। संस्था संचालक, अधीक्षिका व कर्मचारियों से मामले की जानकारी ली। निर्वाण संस्था में निराश्रित मानसिक मंदित बालक और बालिकाओं को आश्रय दिया जाता है। शनिवार, 22 मार्च की रात को खाना खाने के बाद बच्चों की तबीयत बिगड़ी थी। एक के बाद एक बीमार हुए सभी बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सोमवार को 12 साल के शिवांक की मौत हो गई थी। मंगलवार को लोकबंधु अस्पताल में भर्ती रेनू (15) और दीपा (12) ने भी दम तोड़ दिया।संस्था प्रशासन के मुताबिक शनिवार रात बच्चों को सामान्य भोजन दिया गया था। कुछ देर बाद तीन-चार बच्चों की तबीयत बिगड़ गई। उनको पेट दर्द और उल्टियां होने लगीं। सभी अस्पताल में भर्ती कराया गया। कुछ देर बाद अन्य बच्चे उल्टी करने लगे। कुल 24 बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। इनमें से छह स्वस्थ हो चुके हैं। 46 ऐसे बच्चे भी हैं जिनका इलाज संस्था परिसर में ही सीएमओ की टीम कर रही है। इनका स्वास्थ्य भी अब बेहतर है।प्रशासन ने तीनों शवों का पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी। विसरा और हार्ट प्रिजर्व किया गया है। विसरा जांच रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण पता चल सकेगा। हालांकि फूड पॉइजनिंग की आशंका है। लोकबंधु अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय शंकर त्रिपाठी ने बताया कि कुल 24 बच्चे दो-दो और तीन-तीन करके लाए गए। इन बच्चों को संक्रमण की वजह से उल्टी और दस्त की समस्या थी। इनमें से तीन बच्चों की मौत हो गई है। छह बच्चे डिस्चार्ज हो गए हैं। अभी 15 बच्चों का इलाज चल रहा है। संक्रमण की वजह दूषित भोजन या पानी हो सकता है। सीएमओ डॉ. एनबी सिंह ने बताया कि बच्चों के बीमार होने की सूचना पर स्वास्थ्य विभाग की टीम भेजी गई थी। संस्था में 70 बच्चे बीमार थे। इनमें से 24 को लोकबंधु अस्पताल भेजा गया। बच्चों के स्वास्थ्य की निगरानी की जा रही है।

दक्षिण पश्चिमी कमान ने टेक्नोलॉजी अब्सॉर्प्शन पर आयोजित किया सेमिनार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। जयपुर स्थित सप्त शक्ति कमान द्वारा मंगलवार को टेक्नोलॉजी अब्सॉर्प्शन सेमिनार आयोजित किया गया। इस सेमिनार में प्रमुख रक्षा विशेषज्ञ और लीडर्स शामिल हुए। सेमिनार में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर युद्ध और अगली पीढ़ी के संचार नेटवर्क जैसी उभरती मुख्य अतिथि के रूप में लेफ्टिनेंट जनरल मंजिंदर सिंह, आर्मी कमांडर, सप्त शक्ति कमांड मौजूद थे। अपने संबोधन में उन्होंने संघर्ष की प्रकृति को फिर से परिभाषित करने और पारंपरिक अवधारणाओं को चुनौती देने वाले तकनीकी विकास के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने विज़न 2047 के साथ अपने प्रयासों को संरेखित

तकनीकों पर चर्चा हुई।राजस्थान की राजधानी जयपुर स्थित सप्त शक्ति कमान द्वारा मंगलवार को हिसार मिलिट्री स्टेशन में अत्याधुनिक तकनीकों की व्यापक समझ और उनको भविष्य की युद्ध रणनीतियों में शामिल करने को प्रोत्साहित करने के लिए एक टेक्नोलॉजी अब्सॉर्प्शन सेमिनार आयोजित किया गया।इस सेमिनार में प्रमुख रक्षा विशेषज्ञ और लीडर्स शामिल हुए। विशेषज्ञों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर युद्ध और अगली पीढ़ी के संचार नेटवर्क जैसी उभरती तकनीकों ने चर्चा की। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नवाचारों को सुगमता से रक्षा क्षमताओं, निर्णय लेने की प्रक्रिया और ऑपरेशनल इफेक्टिवनेस को बढ़ाने के लिए शामिल करने का था।सेमिनार में करने पर जोर दिया।आर्मी कमांडर ने विभिन्न पहलों, स्टार्टअप्स और एमएसएमई के माध्यम से आर्म्ड फोर्सेज , उद्योग और शिक्षा जगत के बीच निर्बाध तालमेल की आवश्यकता पर प्रकाश डाला, जिससे डिफेन्स टेक्नोलॉजी इकोसिस्टम को मजबूत किया जा सके। उन्होंने सभी हितधारकों से परिवर्तन के चालकों, अवधारणाओं और स्तंभों के साथ खुद को संरेखित करने और आर्म्ड फोर्सेज में विशिष्ट प्रौद्योगिकियों के समावेश को सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने सभा को कमांड द्वारा नवाचार और अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए इन -हाउस थिंक टैंक, सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस तथा टेक्निकल हब्स स्थापित करने की पहलों के बारे में भी जानकारी दी।

बॉलीवुड/टेली मसाला

'सिकंदर' की रिलीज से पहले सलमान ने संजय दत्त को लेकर किया बड़ा एलान, एक साथ नजर आएंगे दोनों दोस्त

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सलमान खान ने मुंबई में एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने ये ऐलान संजय दत्त को लेकर किया है। सलमान खान ने 'सिकंदर' फिल्म रिलीज से पहले बड़ा ऐलान किया है। सलमान खान ने ऐलान किया है कि वह 'चल मेरे भाई' के एक्टर संजय दत्त के साथ जल्द ही बड़े पर्दे पर वापसी करेंगे। हालांकि, सलमान खान ने फिल्म का नाम नहीं बताया है। सलमान और संजय दोनों साथ काम करेंगे, फैंस के लिए यही बड़ी बात है। वहीं, भाईजान ने एटली के साथ फिल्म में देरी की बताई यह वजह। बुधवार को मुंबई में एक प्रेस कांफ्रेंस में सलमान खान ने संजय दत्त के साथ फिल्म करने का ऐलान किया। सलमान खान ने कहा कि फिल्म का अधिकारिक तौर पर बाद में ऐलान किया जाएगा। हालांकि मीडिया ने सलमान खान से कई बार इस फिल्म का नाम पूछा। इस पर सलमान खान ने कहा 'फिल्म देहाती और उच्च स्तर की होगी।' सलमान खान ने फिल्म की कहानी के बारे में भी कुछ नहीं कहा है। सलमान खान ने बताया कि एटली के साथ उनकी फिल्म में देरी की सबसे बड़ी वजह है बजट। अभिनेता ने कहा उन्होंने बहुत बड़े बजट की एक्शन फिल्म लिखी है, इसके डिले का कारण सिर्फ पैसा है। साथ ही उन्होंने 'रामायण' का उदाहरण देते हुए कहा कि वो नार्थ

और साउथ दोनों के कलाकारों को कास्ट करते हैं, जिससे उनकी फिल्में चल सके। अभिनेता ने कहा कि जब उनकी फिल्म साउथ में रिलीज होगी, तो उनके दर्शक फिल्में नहीं देखने जाते। इसके अलावा अभिनेता ने कहा कि अगर हिन्दी फिल्मों के पास 20-30 हजार सिनेमाघर होते तो, हम हॉलीवुड को पीछे छोड़ देते। प्रेस कांफ्रेंस में सलमान खान ने बताया कि उनके पास दो फिल्में हैं। इसमें से एक फिल्म निर्माता 'सूरज बड़जात्या' के पास है। इन्होंने सलमान खान के साथ कई यादगार फिल्में बनाई हैं। सलमान ने कहा कि बड़जात्या की फिल्म अगली फिल्म हो सकती है जो रिलीज होगी आपको बता दें कि सलमान खान और संजय दत्त ने 'साजन', 'दस' और 'चल मेरे भाई' जैसी फिल्मों में काम किया है। दोनों एक्टर अपनी ऑन-स्क्रीन दोस्ती के साथ-साथ ऑफ-स्क्रीन दोस्ती के लिए जाने जाते हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि जब 'सिकंदर' सिनेमाघरों में रिलीज होगी तो संजय दत्त की अगली फिल्म 'द भूतनी' का ट्रेलर इसमें जोड़ा जायेगा। आपको बता दें कि सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' 30 मार्च यानी ईद पर सिनेमा घरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म का निर्देशन ए आर मुरुगदास ने किया है। फिल्म में रश्मिका मंदाना, काजल अग्रवाल, शर्मन जोशी, प्रतीक बब्बर और सत्यराज हैं।

'छावा' के आगे नहीं टिक रहीं फिल्में, जानिए 'द डिप्लोमैट' और 'तुमको मेरी कसम' की कमाई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कई नई फिल्में सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद भी बॉक्स ऑफिस पर 'छावा' ने अपना दबदबा बनाए रखा है। आइए जानते हैं विक्की कौशल की फिल्म समेत 'द डिप्लोमैट' और 'तुमको मेरी कसम' के कलेक्शन के बारे मेंविक्की कौशल की फिल्म का कलेक्शन किया है। फिल्म के कुल कलेक्शन की बात करें तो अब तक यह 1.06 करोड़ का कलेक्शन किया है। होली पर जॉन अब्राहिम की फिल्म 'द डिप्लोमैट' रिलीज हुई। फिल्म के लिए अच्छी बात यह है कि हफ्ते भर बाद इसने अपना बजट निकाल लिया है और अब यह धीमी रफ्तार के साथ

'छावा' का दबदबा बॉक्स ऑफिस पर रिलीज के 40 दिनों बाद भी जारी है। 14 मार्च को सिनेमाघरों में जॉन अब्राहम की फिल्म 'द डिप्लोमैट' ने दस्तक दिया। इस बीच 21 मार्च को 'तुमको मेरी कसम' नाम की फिल्म ने भी सिनेमाघरों का रुख किया, लेकिन ये सभी नई रिलीज फिल्में 'छावा' को कलेक्शन के मामले में टक्कर नहीं दे पाईं। आइए जानते हैं इन फिल्मों ने बुधवार को कितना कलेक्शन किया अनुपम खेर, इश्वाक सिंह, अदा शर्मा, एशा देओल, मेहरान माजदा, सुशांत सिंह और दुर्गेश कुमार जैसे कई कलाकारों से सजी फिल्म 'तुमको मेरी कसम' शुक्रवार, 21 मार्च 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। 20 करोड़ रुपये के बजट में बनी फिल्म ने पहले दिन महज 15 लाख रुपये की कमाई की। बुधवार को फिल्म को रिलीज हुए छह दिन हो गए और फिल्म ने छठे दिन महज नौ लाख रुपये मुनाफे की कमाई करने की ओर बढ़ रही है। वीकएंड पर फिल्म की कमाई में उछाल दर्ज किया गया था, लेकिन सोमवार को इसकी कमाई लाखों रुपये में ही सिमट गई। अब मंगलवार को यानी 12वें दिन फिल्म ने 80 लाख रुपये की कमाई की। बुधवार को फिल्म ने 75 लाख रुपये का कारोबार किया है।विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना की फिल्म 'छावा' पहले दिन से ही सिनेमाघरों में और बॉक्स ऑफिस पर छाई हुई है। इस बीच कई सारी फिल्में रिलीज हुईं और सिनेमाघरों को अलविदा भी कह गईं, लेकिन लक्ष्मण उतेकर के निर्देशन में बनी 'छावा' ने पिछले 41 दिनों से अपने पांव जमा रखे है। हालांकि, इस बीच फिल्म की कमाई में उतार चढ़ाव देखने को भी मिला। फिल्म के बुधवार यानी 41वें दिन के कलेक्शन की बात करें तो इसने 1.40 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। फिल्म की कुल कमाई अब तक 587.75 करोड़ रुपये हुई है।

घर के अंदर अवनीत कौर ने दिखाए डांस मूव्स

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अवनीत कौर ने सोशल मीडिया पर एक डांस वीडियो शेयर किया है। ये डांस वीडियो काफी वायरल हो रहा है। आप भी देखें।अवनीत कौर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। वह अपनी बेहतरीन तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करती एक दूसरे यूजर ने लिखा है 'आपने तो हमें मार ही दिया।' एक यूजर ने कमेंट किया है कि 'आपको मूव बहुत अच्छे हैं।' हाल ही में एक इंटरव्यू में अवनीत कौर ने बताया कि जब वह 12 साल की थीं तब एक निर्देशक ने उन्हें बहुत कठिन शब्दों वाला एक पेज पढ़ने के लिए दिया। जब वह इसे नहीं पढ़ पाईं

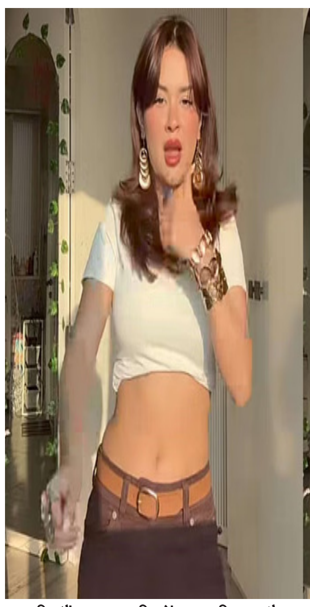
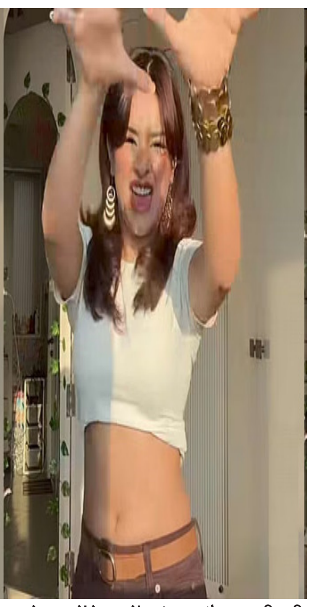

रहती हैं। हाल ही में अवनीत कौर ने सोशल मीडिया पर अपनी बेहतरीन डांस वीडियो शेयर की है। इस वीडियो को उनके फैंस खूब लाइक कर रहे हैं और इस पर कमेंट भी कर रहे हैं। अवनीत कौर ने अपनी सोशल मीडिया प्रोफाइल से जो वीडियो शेयर की है उसमें उन्होंने बेहतरीन डांस किया है। अवनती के हुक स्टेप काफी अच्छे हैं। डांस करते हुए अवनीत कौर काफी खुश लग रही हैं और वह चेहरे से बेहतरीन एक्सप्रेशन दे रही हैं। अवनीत के वीडियो पर कई यूजर्स ने कमेंट किए हैं। अवनीत कौर की डांस वीडियो पर एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा 'आपके डांस का इंतजार कर रहा था।' तो उन्होंने उन्हें डांटा और गाली भी दी। इसके बाद निर्देशक ने अवनीत से कहा था कि वह कभी भी कुछ नहीं कर पाएंगी। इंडस्ट्री में कभी तरक्की नहीं कर पाएंगी। हालांकि अवनीत ने साल 2010 में एक डांस शो 'डांस इंडिया डांस, लिटिल मास्टर्स' से अपने करियर की शुरूआत की। इसके बाद वह 2012 में 'मेरी मां' शो में आईं। इसके बाद वो कई टीवी सीरियल्स में दिखाई दीं। उन्होंने रानी मुखर्जी की फिल्म 'मर्दानी' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इसके बाद अवनीत 2023 में आई फिल्म 'टीकू वेड्स शेरू' में अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ पहली बार प्रमुख भूमिका में नजर आईं।

सलमान खान इसलिए करना चाहते हैं अनन्या और जाह्नवी के साथ काम, उम्र के अंतर पर दिया बयान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।सलमान खान ने कहा है कि वह अनन्या पांडे और जाह्नवी कपूर के साथ काम करना चाहते हैं। लेकिन लोग उम्र का अंतर बताकर इस काम मुश्किल बना देंगे।बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान, इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'सिकंदर' का प्रमोशन कर रहे हैं। सलमान ने युवा अभिनेत्रियों के साथ अपनी फिल्मों को लेकर हो रही चर्चाओं पर खुलकर बात की है। उन्होंने कहा कि वह अनन्या पांडे और जाह्नवी कपूर के साथ काम करना चाहेंगे, लेकिन लोग उनके बीच उम्र के अंतर को लेकर उनकी आलोचना करेंगे। बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, सलमान ने उम्र के अंतर पर खुलकर बात की और कहा कि वह युवा अभिनेत्रियों के साथ केवल उन्हें बड़ा मंच और मौका देने के लिए काम करते हैं। उन्होंने कहा, 'अगर मैं अनन्या या

जाह्नवी के साथ काम करना चाहता हूं, तो लोग मेरे लिए इसे मुश्किल बना देते हैं क्योंकि तब वे उम्र के अंतर के बारे में बात करते हैं। इसके बावजूद, मैं उनके साथ काम करना जारी रखूंगा।इसी बातचीत के दौरान सलमान खान ने यह भी बताया कि कैसे उन्होंने एक बार एक फिल्म निर्माता को एक साथ कई कलाकारों को लेकर कुछ बनाने का सुझाव दिया था, लेकिन मौजूदा पीढ़ी के सभी अभिनेताओं ने एक-दूसरे के साथ काम करने से इनकार कर दिया था। सलमान के बताया ठसभी बहुत हैरत में पड़ गए। हम मल्टी-कास्ट फिल्में करने में सहज थे क्योंकि हमारे लिए यह ऐसा था कि हमारे सभी प्रशंसक एक साथ मिलकर फिल्म को हिट बनाते। हमने एक साथ 100-200 दिन काम किया बहरहाल सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' 30 मार्च यानी कि ईद के मौके पर रिलीज होने वाली है। फिल्म में रश्मिका मंदाना हैं। फिल्म के ट्रेलर के लॉन्च के मौके पर सलमान खान ने उम्र के गैप के बारे में बात की थी। उन्होंने कहा था ठसोशल मीडिया वाले आज कल पीछे पड़ जाते हैं। अब लोग कह रहे हैं कि अभिनेत्री और मुझमें 31 साल का गैप है। अरे जब अभिनेत्री को दिक्कत नहीं है। अभिनेत्री के पिता को दिक्कत नहीं है, तो तुमको क्यों दिक्कत है? कल जब उसकी शादी हो जाएगी और उसके बच्चे होंगे और बड़ी स्टार बन जाएगी, इसके बावजूद वह काम करना जारी रखेगी।

'छोरी 2' के सेट पर चोटिल हुई नुसरत की आंख, लगे थे दो टांके; करीना-माधुरी पर कही ये बात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। आईफा अवॉर्ड 2025 में अमर उजाला ने नुसरत भरुचा से खास बातचीत की। इस मौके पहले नुसरत ने आईफा अवॉर्ड में शामिल होने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि जब किसी फिल्म को सिनेमाघरों में 25 हफ्ते पूरे हो

पर एक्ट्रेस ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'छोरी 2' के बारे में कई दिलचस्प खुलासे किए।नुसरत भरुचा की फिल्म 'छोरी 2' का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है। फिल्म में वो एक बार फिर से सभी को डराती नजर आ रही हैं। बीते दिनों जयपुर में हुए 25वें आईफा अवॉर्ड्स 2025 में नुसरत ने अमर उजाला के साथ खास बातचीत में इस फिल्म को लेकर अपडेट दी थी। फिल्म के अलावा उन्होंने और भी कई दिलचस्प बातें शेयर कीं। सबसे जाते हैं तो हम सिल्वर जुब्ली मानते हैं, आईफा को तो 25 साल हो गए हैं। यह बहुत बड़ी बात है। यह एक मील का पत्थर है और मुझे खुशी है कि मैं आईफा का हिस्सा हूं। आगामी फिल्म 'छोरी 2' के बारे में पूछे जाने पर नुसरत ने अपनी शूटिंग का अनुभव साझा किया, जो उनके लिए बेहद खतरनाक भी रहा। उन्होंने कहा, 'छोरी 2 की शूटिंग का अनुभव बहुत खतरनाक रहा, क्योंकि इस दौरान मैंने जो किया, मुझसे जो करवाया गया, मुझ पर जो बीती है, वो मैं आपको बता भी नहीं सकती।' नुसरत ने बताया कि वह सेट पर घायल भी हो गई थीं। यह किस्सा साझा करते हुए उन्होंने कहा, 'शूटिंग के दौरान सेट पर आंख के पास चोट लग गई थी और दो टांके भी आए थे। खून भी बहा था, लेकिन मजा बहुत आया, शूटिंग करने में अच्छा लगा। छोरी फिल्म मेरे दिल के बहुत करीब है और अब छोरी 2 भी दिल के करीब हो गई है।आईफा अवॉर्ड को लेकर नुसरत ने आगे बताया कि वो करीना कपूर और माधुरी दीक्षित की परफॉर्मेंस देखने के लिए काफी उत्साहित हैं। इसके साथ ही उन्होंने आईफा के साथ शुरू हुए अपने सफर के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, 'आईफा के साथ मेरा बेहद यादगार सफर रहा है क्योंकि आईफा ही पहला अवॉर्ड फंक्शन है, जहां मैंने पहली बार परफॉर्म किया था, तब से मैं हर साल यहां आती हूं। मुझे हर साल बहुत प्यार से बुलाया जाता है। मुझे यहां आकर ऐसा नहीं लगता कि मैं किसी अवॉर्ड फंक्शन में आई हूं, बल्कि मुझे लगता है कि मैं फिल्म इंडस्ट्री के बड़े गेट टुगेदर में आई हूं।'नुसरत से अवॉर्ड शो के दौरान अन्य सितारों से मुलाकात करने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'आप लोगों को लगता है कि हम लोग अपने को-स्टार से बैक स्टेज मिलते हैं, लेकिन ऐसा है नहीं, क्योंकि जब तक हम जाते हैं, वो कहीं और चले जाते हैं। हां, यहां काम का प्रेशर नहीं होता है और हम खुलकर एंजॉय करते हैं। यहां थोड़ी मौज-मस्ती और मजाक होते हैं तो यहां आकर काफी मजा आता है।जब नुसरत से उनके करियर के दौरान उनका ड्रीम रोल निभाने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मेरा जो ड्रीम रोल था वो मैं कर चुकी हूं और वो 'छोरी' है। मैं अपना ड्रीम रोल दो बार निभा चुकी हूं, एक छोरी में और दूसरा 'छोरी 2' में। इसके साथ नुसरत ने फिल्म के जोनर पर भी बात की उन्होंने कहा कि यह प्योर हॉरर फिल्म है, इसमें कॉमेडी का तड़का नहीं है। हां समाज के लिए एक जरूरी संदेश है। उन्होंने कहा कि 'छोरी 2' बहुत सीरियस फिल्म है, जो वो बोल रही है, वह मुद्दा बड़ा है, जिसके बारे में बात होनी चाहिए। गांव में अभी भी वो चीजें होती हैं, जो होनी नहीं चाहिए तो 'छोरी' में उस मुद्दे के बारे में बात की गई है।

कॉमेडियन कुणाल कामरा के खिलाफ पुलिस सख्त

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कॉमेडियन कुणाल कामरा के खिलाफ पुलिस सख्त नजर आ रही है। महाराष्ट्र के उप

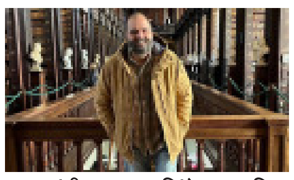

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर कथित टिप्पणी करने के बाद अब उनके पुराने व्यंग्यात्मक टिप्पणियों पर भी जांच शुरू कर दी गई है।मुंबई पुलिस ने कॉमेडियन कुणाल कामरा के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। पुलिस का कहना है कि वह महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर की गई टिप्पणी से पहले के उनके व्यंग की भी पड़ताल कर रही है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक अगर कुणाल ने किसी राजनेता, अभिनेता या खिलाड़ी पर व्यंग्यात्मक टिप्पणी की होगी तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अभी तक कुणाल कामरा मुंबई पुलिस के संपर्क में नहीं आए हैं। सुबह से लेकर शाम तक इस मामले में कई घटनाएं सामने आईं। मंगलवार को खार पुलिस ने कुणाल को समन जारी किया, जिसमें उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया गया था। हालांकि, कुणाल के वकील ने सात दिन का समय मांगा, जिसे पुलिस ने ठुकरा दिया। इसके बाद बुधवार को दूसरा समन जारी किया गया।

अफेयर' बनाने के चक्कर में फिर फंसे कार्तिक, श्रीलीला को पता चली असलियत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। हाल ही में एक कार्यक्रम में कार्तिक आर्यन की पीआर टीम ने श्रीलीला की मौजूदगी में उनकी मां से डॉक्टर बहू का सवाल करा दिया। डॉक्टरी की पढ़ाई पूरी कर चुकीं श्रीलीला को अब ये पता चल चुका है कि ये सारा किस्सा पहले से 'स्क्रिप्टेड' था। तीन साल तक लगातार साइमा (साउथ इंडियन इंटरनेशन मूवी अवार्ड्स) जीतकर साउथ सिनेमा में तहलका मचा देने वाली अभिनेत्री श्रीलीला की हिंदी सिनेमा में पहली लीला वैसे तो अभिनेता इब्राहिम अली खान के साथ फिल्म 'सरजमीं' में दिखनी है, लेकिन ये फिल्म कब रिलीज होगी, किसी को पता नहीं। इस बीच निर्देशक अनुराग बसु ने उन्हें अपनी अगली अनाम फिल्म में उन कार्तिक आर्यन की हीरोइन बना लिया, जिनके साथ काम करने को हिंदी सिनेमा की कोई भी नामचीन अभिनेत्री उनके रवैये के चलते तैयार नहीं हो रही।कार्तिक की दो आदतों पर उनके प्रशंसकों की खास निगाह रहती है, एक तो पुरस्कार कैसा भी हो अगर उनको मिल रहा है. तो वह चांद पर भी जा सकते हैं। दूसरा, उनका अपनी फिल्म की हीरोइन से या तो फिल्म शुरू होते ही 'अफेयर' हो जाता है या फिर फिल्म खत्म होते होते 'कट्टी' हो जाती है। 'भूल भुलैया 2' में तब्बू के साथ मामला इतना बिगड़ा था कि दोनों ने फिल्म की रिलीज के दौरान एक साथ मंच पर आने तक से इनकार कर दिया।

अभिनय ही नहीं, बिजनेस की दुनिया का चमकता सितारा हैं राम चरण, जानें नेटवर्थ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अभिनय ही नहीं, बिजनेस की दुनिया का चमकता सितारा हैं राम चरण, जानें नेटवर्थसाउथ सिनेमा के सुपरस्टार राम चरण 27 मार्च को अपना जन्मदिन मना रहे हैं। 1985 में चेन्नई तमिलनाडु में जन्म लेने वाले राम चरण आज भारतीय सिनेमा के सबसे चर्चित और लोकप्रिय अभिनेताओं में से एक हैं। मेगास्टार चिरंजीवी के बेटे होने के बावजूद उन्होंने अपनी मेहनत और प्रतिभा से अलग पहचान बनाई है। आज उनके जन्मदिन के मौके पर हम उनके जीवन, अभिनय करियर और बिजनेस की दुनिया में उनकी सफलता पर नजर डालते हैं।राम चरण का पूरा नाम राम चरण तेजा कोनिडेला राम चरण तेजा है। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा हैदराबाद में पूरी की और अभिनय की दुनिया में कदम रखने से पहले अपनी पढ़ाई पर ध्यान दिया। साल 2007 में फिल्म 'चिरुथा' से उन्होंने तेलुगु सिनेमा में डेब्यू किया, जो बॉक्स ऑफिस पर हिट रही। इसके बाद 2009 में आई फिल्म 'मगधीरा' ने उन्हें रातों-रात स्टार बना दिया। इस फिल्म ने उस समय की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तेलुगु फिल्म का रिकॉर्ड बनाया और राम चरण को व्यापक पहचान दिलाई। राम चरण ने साउथ सिनेमा में अपनी मजबूत पकड़ बनाई, लेकिन बॉलीवुड में उनकी कोशिश नाकाम रही। साल 2013 में उन्होंने फिल्म 'जंजीर' से हिंदी सिनेमा में कदम रखा, जो 1973 की अमिताभ बच्चन की हिट फिल्म की रीमेक थी। इस फिल्म में उनके साथ प्रियंका चोपड़ा और संजय दत्त जैसे सितारे थे, लेकिन यह फिल्म दर्शकों को प्रभावित करने में नाकाम रही। बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म बुरी तरह फ्लॉप हो गई। बॉलीवुड में जगह बनाने का उनका यह प्रयास असफल रहा, लेकिन इससे उनके साउथ सिनेमा के करियर पर कोई असर नहीं पड़ा। राम चरण के करियर का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट साल 2022 में आया। एसएस राजामौली की फिल्म 'आरआरआर' में उन्होंने अल्लूरी सीताराम राजू का किरदार निभाया, जिसे दुनियाभर में सराहा गया। 'आरआरआर' ने न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया, बल्कि इसके गाने 'नाटू नाटू' ने ऑस्कर अवॉर्ड जीतकर इतिहास रच दिया। इस फिल्म की सफलता के बाद फैंस उन्हें 'ग्लोबल स्टार' कहने लगे। आज उनकी फैन फॉलोइंग भारत से लेकर विदेशों तक फैल चुकी है। राम चरण केवल

एक अभिनेता ही नहीं, बल्कि एक सफल बिजनेसमैन भी हैं। अभिनय के साथ-साथ वह कई व्यावसायिक क्षेत्रों में सक्रिय हैं। वह अपने परिवार के प्रोडक्शन हाउस ठकोनिडेला प्रोडक्शन कंपनीठ के सह-मालिक हैं, जिसके बैनर तले कई फिल्में बन चुकी हैं। इसके अलावा, राम चरण ट्रूजेट नाम की एक एयरलाइन कंपनी के भी मालिक थे। उनकी बिजनेस समझ और निवेश ने उनकी संपत्ति को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक राम चरण की कुल नेटवर्थ करीब 1370 करोड़ रुपये है जो उन्हें साउथ सिनेमा के सबसे अमीर सितारों में से एक बनाती है। राम चरण ने 2012 में उपासना कामिनेनी से शादी की, जो एक सफल बिजनेसवुमन हैं। दोनों का एक मजबूत रिश्ता है और वे अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी जिंदगी की झलकियां शेयर करते हैं। अभिनय की बात करें तो राम चरण जल्द ही 'आरसी 16' में नजर आएंगे। इस फिल्म में उनके साथ जान्हवी कपूर भी हैं। फिल्म का निर्देशन बुची बाबू सना कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि यह एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म है।

स्वात्वाधिसकसार एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सस्पादक/प्रकाशक डा0 पुनीत अरोरा
मो0 नं0-09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोट- इस समाचार पत्र मे प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हंतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।